INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

दैनिक
यूनिक समय
मथुरा से प्रकाशित

RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety Supari
INDIA'S FAVOURITE
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-1 | अंक-396 | मथुरा, बुधवार, 27 मार्च 2024 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

चुनाव का शंखनाद

मथुरा के भाजपा प्रबुद्ध सम्मेलन से चुनाव प्रचार की शुरुआत

यमुना की दुर्दशा पर योगी का छलका दर्द

मथुरा में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। मंच पर बैठी हैं सांसद हेमामालिनी, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण सिंह, पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा, एमएलसी योगेश नौहवार, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह, राज्यसभा सदस्य तेजवीर सिंह एवं पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा के प्रबुद्ध सम्मेलन के संबोधन के साथ चुनाव प्रचार की शुरूआत की।

मंगलम ग्रीन रिसोर्ट में प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के मन में यमुना की दुर्दशा का दर्द छलका। कहा कि आज से पांच हजार वर्ष पहले इसी ब्रज में योगिराज श्रीकृष्ण ने अपनी लीला रचाई। उस लीला की साक्षी बनीं थीं यमुना मैया। आज यमुना की गंदगी को देखकर दुख होता है। इसे दूर करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे योजना का कार्य प्रगति पर है। अब गंगा मैया के बाद यमुना मैया के जल को स्वच्छ बनाने का कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा।

मुख्यमंत्री ने ब्रजवासियों को सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि सांसद हेमा मालिनी ने अपने पहले ही कार्यकाल में संसद में कहा कि वे ब्रज की प्रतिनिधि बनकर यहां आई हैं और उन्होंने ब्रज की समस्या बताई।

भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में प्रबुद्धजनों का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गदा भेंट करते भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, साथ में खड़े हैं जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण सिंह, जिला प्रभारी अशोक कटियार, लोकसभा क्षेत्र प्रभारी श्याम भदौरिया एव प्रदेश मंत्री विनोद चौधरी आदि।

कहा कि आज ब्रज क्षेत्र में विकास हो रहा है। यह काम सांसद हेमा मालिनी की संसद में गूंजी आवाज के कारण ही संभव हो पाया है।

उन्होंने कहा कि चौरासी कोस परिक्रमा, मथुरा वृंदावन को नई पहचान देना। इसके लिए सांसद ने सेवक बनकर आपकी आवाज उठाई। वे इतनी बड़ी कलाकार हैं कि उसी तरह ही वे संसद और प्रधानमंत्री के सामने समस्या रखने के अलावा मुख्यमंत्री के सामने मथुरा वृंदावन बरसाना की समस्या रखती हैं। उन्होंने मोदी की गारंटी का भी जिक्र किया। कहा कि मोदी की गारंटी से हर काम संभव है। मोदी का मतलब है लोगों के सिर पर छत, मोदी का मतलब है लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ, मोदी का मतलब है हर घर में शौचालय, मोदी का मतलब है गरीब, शोषित, वंचित का विकास। इसके बाद उन्होंने लोगों से पूछा कि आप सभी लोग सहमत हैं न। सभी ने हां कहा। उन्होंने कहा कि पूरा देश एक प्रश्न कर रहा है कि यह चुनाव दो खेमें में बंट रहा है। एक के लिए फैमिली फस्ट है तो दूसरा मोदी के नेतृत्व में नेशन फस्ट है। उन्होंने मोदी के हाथ को मजबूत करने के लिए हेमामालिनी को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। इसके लिए सभी ने हाथ उठाकर हामी भरी। उन्होंने कहा कि देश को तीसरी अर्थ व्यवस्था बनाने के लिए विकसित देश बनाना जरूरी है। देश विकसित तभी बनेगा जब विकसित उत्तर प्रदेश होगा। यह तब होगा जब विकसित मथुरा बनेगा। इसके लिए हेमा मालिनी का संसद बनना जरूरी हैं। इसके बाद उन्होंने बांकेबिहारी के जयकारे के साथ अपना संबोधन समाप्त किया। इस अवसर पर सांसद हेमामालिनी, जिला प्रभारी अशोक कटारिया, गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी, जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय, महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी, रालोद जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, लोकसभा क्षेत्र प्रभारी श्याम भदौरिया, जीएलए विश्व विद्यालय के कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल, लोकसभा क्षेत्र के चुनाव संयोजक डॉ. देवेन्द्र शर्मा, सह संयोजक मुकेश खंडेलवाल, पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा, विधायक राजेश चौधरी, विधायक मेघश्याम सिंह, विधायक पूरन प्रकाश, एमएलसी ओमप्रकाश सिंह, एमएलसी योगेश नौहवार, पूर्व विधायक प्रणतपाल सिंह, श्याम सिंह अहेरिया, कारिदा सिंह, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, महामंत्री प्रदीप गोस्वामी, गोपाला चतुर्वेदी, चिंता हरण चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

बोले..यमुना को स्वच्छ बनाने का काम जल्द शुरू होगा

हमेशा सांसद हेमामालिनी रहती है ब्रज की समस्याओं के लिए तैयार

सम्मेलन में इन संस्थाओं ने लिया भाग

डॉक्टर्स, प्रोफेशनल्स, सीए, टीचर्स, उद्यमियों, विभिन्न समाज सेवी संगठन, संतों, अधिवक्ताओं, विभिन्न जातियों के संगठनों के प्रतिनिधियों ने लिया भाग।

शुरुआत **श्रीकृष्ण जन्मस्थान से प्रफुल्लित होकर लौटे आदित्यनाथ**

कान्हा ही बेड़ा पार लगाएंगे चुनाव में

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। लोकसभा चुनाव प्रचार शुरू करने से पहले यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर दर्शन कर साफ संकेत दे दिया। आने वाले समय में अयोध्या के राम लला मंदिर की तरह श्रीकृष्ण जन्म स्थान बड़ा मुद्दा बनेगा। उन्होंने भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन का संबोधन करने से पहले श्रीकृष्ण की शरण में जाकर यह जता दिया अब तो सब कुछ भगवान श्रीकृष्ण के सहारे है। वह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाजपा 400 पार वाले नारे को सार्थक करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कड़ी सुरक्षा के बीच श्रीकृष्ण जन्म स्थान पहुंचे। गेट नंबर तीन से गाड़ियों ने प्रवेश किया तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देखकर मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालु योगी–योगी करने लगे। मुख्यमंत्री ने गाड़ी रुकवाकर हाथ हिलाकर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले केशवदेव मंदिर और गर्भगृह में दर्शन किए। यहां फूल माला चढ़ाई। उसके बाद भागवत भवन पहुंचे। यहां उन्होंने राधाकृष्ण की पूजा अर्चना कर आरती की। पुजारियों ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद स्वरूप प्रसादी दुपट्टा ओढ़ाया। फिर वह बड़े मुस्कान भरे अंदाज में सीढ़ियों से लौटे। उनके चेहरे का हाव भाव देखकर लग रहा था कि मानो वह भगवान श्रीकृष्ण और राधा से लोकसभा चुनाव जीतने की अर्जी लगाकर आए हैं और मन में विश्वास लेकर लौटे हैं कि अब तो कान्हा ही बेड़ा पार लगाएंगे। भागवत भवन से बाहर सीढ़ियों से उतरते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देखकर श्रद्धालु फिर से योगी–योगी के नारे लगाने लगे तो उन्होंने उनका अभिवादन किया।

इस मौके पर श्रीकृष्ण जन्म सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, अनुराग कृष्ण पाठक, राजेश पांडे तथा विजय बहादुर सिंह आदि उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण जन्म स्थान के भागवत भवन में राधाकृष्ण की आरती करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। इस मौके पर संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी समेत पुजारी।

श्रद्धालुओं के योगी–योगी के नारे सुनकर मुख्यमंत्री ने अभिवादन किया

मथुरा में मुख्यमंत्री को लेकर पुलिस रही अलर्ट

शहर में बड़े वाहनों पर रही पैनी नजर

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क नजर आया। ट्रैफिक पुलिस ने शहर के यातायात को लेकर देर सायं एडवाइजरी जारी की। शहर के अंदर ई–रिक्शा और ऑटो समेत बड़े वाहनों पर लगाए गए प्रतिबंध के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोगों की ट्रेन और बस निकल गई।

प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार के लिए मथुरा आए। इसलिए पुलिस प्रशासन काफी सतर्क दिखाई दिया। पुलिस अधिकारियों के साथ–साथ शहर के तिराहों–चौराहों पर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के जवान मुस्तैदी से ड्यूटी करते नजर आए।

श्रीकृष्ण जन्म स्थान की ओर जाने वाले मार्गों पर पुलिस का पहरा

यही नहीं मुख्यमंत्री के गुजरने वाले काफिले के मार्ग पर खास तौर पर सुरक्षा काफी सख्त नजर आई। थोड़ी–थोड़ी दूरी पर पूरे रास्ते पर सिपाही तैनात थे। इसके चलते शहर में चलने वाले ऑटो और ई–रिक्शाओं के शहर में प्रवेश पर ट्रैफिक पुलिस ने पूरी तरह से रोक लगा दी थी। शहर के मसानी चौराहे से डीग गेट की ओर किसी भी इस तरह के वाहन को पुलिस ने नहीं चलने दिया।

इसके साथ ही श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भूतेश्वर और इस ओर से जन्मस्थान को जाने वाले मार्ग पर इन वाहनों को नहीं चलने दिया। ऐसी ही हालत धौली प्याऊ से स्टेट बैंक चौराहे की रही। जबकि इस मार्ग पर रेलवे स्टेशन और नया बस अड्डा होने के कारण लोगों को इन दोनों स्थानों पर पहुंचने के लिए ऑटो और ई–रिक्शा का सहारा लेना पड़ता है। इसी तरह गोवर्धन चौराहे से भूतेश्वर के लिए भी ऑटो और ई–रिक्शा को आने की पुलिस ने अनुमति नहीं दी। अगर गलती से कोई ऑटो अथवा ई रिक्शा सड़क पर आ गया तो उसके चालक को पुलिस ने लताड़ दिया। शहर में ऑटो और ई–रिक्शा के प्रवेश पर लगी पाबंदी के चलते कई लोगों को रेलवे स्टेशन और बस अड्डे तक पहुंचने के लिए काफी दिक्कत हुई। इसके चलते कई लोगों की ट्रेन और बस भी निकल गई।

सीएम से डर गई बिजली

कार्यालय संवाददाता

सुबह से अधिकारी जुट गए निगरानी में

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने की खबर से बिजली डर गई। इन पंक्तियों को पढ़कर चौंकिए नहीं, हकीकत में सोलहाना सत्य है। सुबह से लेकर अपरान्ह तक बिजली गुल होने की कहीं से खबर नहीं आई। कहीं बिजली गुल होने की खबर प्रबुद्ध सम्मेलन में एक मुद्दा बन जाता, इसलिए विद्युत अधिकारी सुबह से ही अलर्ट मोड में दिखाई दिए।

लोगों की मानें तो शहर में विद्युत आपूर्ति की स्थिति कई दिनों से पूरी तरह से ठीक नहीं है। आपूर्ति समय–समय पर बाधित हो रही है। बिजली गुल होने के कारण गर्मी के शुरुआत में ही लोगों को घरों और प्रतिष्ठानों पर काफी दिक्कत हो रही है। इसी दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आज मथुरा आने का कार्यक्रम बन गया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर विद्युत अधिकारियों में हड़कंप मचा रहा।

बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से चलाने के लिए अधिकारियों ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को अपने–अपने क्षेत्र में लगे ट्रांसफार्मरों और उन लाइनों को चेक करने के निर्देश दे दिए, जिससे मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान बिजली आपूर्ति निरंतर जारी रहे। इसके लिए अभियंताओं ने शहर की विद्युत आपूर्ति पर पूरी निगरानी रखी। इस तरह मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में दौरान एक सेकिंड को भी बिजली में व्यवधान नहीं आया।

चुनाव संबंधी शिकायतों का समाधान 100 मिनट में

यूनिक समय, मथुरा । वरिष्ठ कोषाधिकारी/नोडल प्रभारी निर्वाचन व्यय अनुरक्षण मुन्ना लाल शुक्ल ने कहा कि लोकसभा चुनाव के संबंध में मिली शिकायतों का समाधान 100 मिनट में होगा। विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने अवगत कराया है कि लोकसाभा चुनाव 24 में निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी व्यक्ति को उसके निर्वाचन अधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से यदि कोई व्यक्ति नकद या वस्तु के रूप में कोई पारितोष देता या लेता है या कोई व्यक्ति किसी अभ्यर्थी या निर्वाचक या किसी अन्य व्यक्ति को किसी प्रकार की चोट पहुंचाने की धमकी देता है या रिश्वत की पेशकश करता है या किसी अन्य माध्यम से आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन किया जाता है, तो ऐसे सभी प्रकरणों की शिकायत सामान्य जनता द्वारा सीविजिल एप पर की जा सकती है। सीविजिल एप पर की गई ऐसी सभी शिकायतों का निस्तारण 100 मिनट में किया जायेगा।

कैंटर के कुचलने से महिला की मौत

यूनिक समय,कोसीकलां/पलवल। समीपवर्ती राज्य हरियाणा के पलवल में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सवारी के इंतजार में खड़े तूमौला निवासी मां–बेटे को एक कैंटर ने टक्कर मार दी। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर इलाज के दौरान मां ने दम तोड़ दिया। बेटे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मुंडकटी थाना पुलिस ने मृतक महिला के पति की शिकायत पर कैंटर के अज्ञात ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

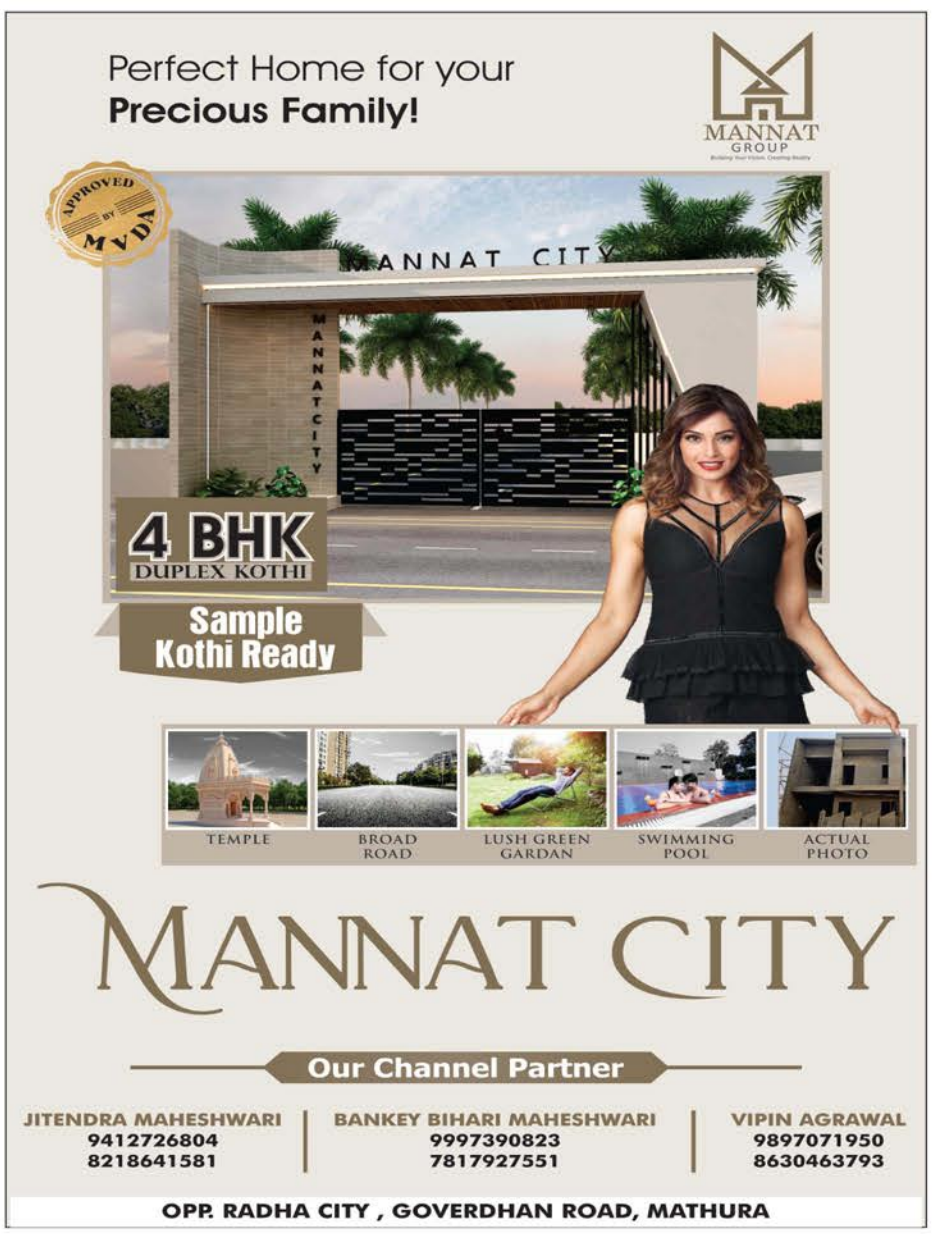

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्रद्धालुओं की ओर से योगी–योगी के लगाए नारों को सुनकर, हाथ हिलाकर अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अयोध्या और ब्रज की होली की चर्चा की

यूनिक समय, मथुरा। पिछले 15 दिन से में सुन रहा हूं कि होरी खेले रघुवीरा अवध में यह गीत मैने बचपन में भी खूब सुना था। लेकिन अपने धाम में रघुवीर होली नहीं खेल पा रहा था। इस बार पांच सौ वर्ष बाद प्रभु राम ने अपने धाम में विराजमान होकर होली खेली। इसका इंतजार तो मथुरा वृंदावन की कुंज गलियां कर रहीं थी। उन्होंने कहा कि दुनियां में होली की चर्चा हो तो मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन, गोकुल और बल्देव की होली की अवश्य चर्चा होती है।

ब्रज में अब भीड़ बढ़ने लगी है, सुविधाएं बढ़ाने की आवश्यकता है

यूनिक समय, मथुरा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रज में विगत वर्षों से भीड़ दिनों दिन बढ़ रही है। जो सुविधाएं है उनमें और भी बढ़त करने की आवश्यकता है।

जिलाध्यक्ष का नाम ही भूले मुख्यमंत्री

यूनिक समय, मथुरा। प्रबुद्ध जन सम्मेलन में महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने जिलाध्यक्ष लेकर संबोधित किया। जबकि भाजपा के जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय हैं। इससे सुनकर सम्मेलन में उपस्थित जन असमंजस में पड़ गए कि क्या जिलाध्यक्ष को हटा दिया गया है?

कई नगर पंचायत अध्यक्ष हुए भाजपाई

यूनिक समय, मथुरा। कार्यक्रम में विधायक राजेश चौधरी ने भाजपा के जिला प्रभारी अशोक कटारिया से चौमुहां नगर पंचायत अध्यक्ष कारे बाबा, राया के नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, नंदगांव नगर पंचायत अध्यक्ष भीम सिंह को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इसके अलावा कांग्रेस पार्षद तिलकवीर सिंह ने भी आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

छाया रहा नारा अब मथुरा की बारी है

यूनिक समय, मथुरा। विधायकों, विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या और काशी हुई हमारी है अब मथुरा की बारी है। इस पर श्रोताओं ने जोर दार तालियां बजाई।

एक ग्राहक को दो प्लॉट फर्जी तरीके से बेचने का मामला

डायरेक्टर समेत दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। कोर्ट के आदेश पर गोलोकधाम कॉलोनी में फर्जी तरीके से दो प्लॉटों की बिक्री करने के मामले में वन टू वन टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड एनआईटी फरीदाबाद के अधिकृत प्रतिनिधि और डायरेक्टर के खिलाफ थाना जैंत में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

चौक बाजार निवासी आशीष अग्रवाल ने थाने में दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि होली वाली गली निवासी दीपक भारद्वाज उनके पास आया और अपने को वन टू वन टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड का अधिकृत प्रतिनिधि बताते हुए कंपनी द्वारा वृंदावन के मौजा जैंत में गोलोकधाम कॉलोनी में प्लॉट खरीदने की बात कही। दीपक भारद्वाज द्वारा की गई चिकनी चिपड़ी बातों में

कोर्ट के नोटिस पर जमीन खरीदने वाले को पता चला

आकर उसने 50-50 वर्ग गज के दो प्लॉट डी 179-180 के लिए 3,77,910 रुपये के चेक व नकद देकर अपनी पत्नी वर्षा अग्रवाल के नाम पर मथुरा रजिस्ट्री कार्यालय में बैनामा कर लिया। इसके बाद कोर्ट से पत्नी के नाम नोटिस आया तो आशीष अग्रवाल परेशान हो गए।

वकील के माध्यम से जानकारी कराई तो पता लगा कि उनके साथ धोखाधड़ी हो गई है। वन टू वन टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर शक्ति मन चंदा ने उनके प्लॉट सहित पूरी जमीन को पहले ही रामबाबू शर्मा निवासी बल्केशवर रोड आगरा व श्रीमती मधुबाला अग्रवाल, पत्नी वीके के अग्रवाल इंदिरा एंक्लेव बल्केशवर रोड आगरा के नाम मथुरा रजिस्ट्री कार्यालय में रजिस्ट्री कर दी थी। इस पर जब आशीष अग्रवाल ने दीपक भारद्वाज से इस बारे में कहा तो उसने साफ तौर पर अपने को इस मामले से अलग करते हुए कहा कि उसे तो मोटा कमीशन मिल गया। उसे इस बात से कोई मतलब नहीं है कि जमीन है या नहीं।

आशीष अग्रवाल ने जैंत थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। इसके बाद उसने कोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट के आदेश पर धोखाधड़ी करने का मामला जैंत थाने में दर्ज हो सका है।

भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में सांसद हेमा मालिनी, विधायक श्रीकांत शर्मा, विधायक राजेश चौधरी एवं जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल।

ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा का कार्य शीघ्र होगा शुरू: हेमा मालिनी

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सांसद व भाजपा प्रत्याशी हेमामालिनी ने कहा कि योगी आदित्य नाथ ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाया है। पिछले 10 साल से मेरा साथ दिया है। ब्रजवासी, भाजपा नेताओं व विधायकों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यहां बहुत कुछ किया अभी बहुत कुछ होना बाकी है। इसको ब्यूटीफुल बनाना है। मथुरा के विकास की साक्षी बनने का सौभाग्य मुझे मिल रहा है। 2014 से मथुरा से सांसद बनी तब से प्रधानमंत्री के मार्ग दर्शन, योगी जी के आशीर्वाद और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के साथ मिलकर कार्य करने का अवसर मिला। मैं मथुरा के विकास के लिए हमेशा कार्य करती रहूंगी। आगे पांच साल की योजना तैयार है। उनका ड्रीम प्रोजेक्ट ब्रज चौरासी कोस

मथुरा-वृंदावन के मध्य पहले सड़क बनेगी उसके बाद उसके ऊपर मेट्रो

परिक्रमा का रेडी है। उसका कार्य शीघ्र प्रारंभ होने वाला है। मथुरा से वृंदावन से रोड बनाने के बाद मेट्रो चलाना। वहां पर पिलर बनाए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर प्रशिक्षण केन्द्र कलाकारों के लिए बनाया जाएगा। नार्थ रेलवे के अंतर्गत मथुरा रेल मार्ग को अलीगढ़ से जोड़ने के लिए प्रयास होगा। यमुना का शुद्धिकरण जरूर होगा। श्रीकृष्णा थीम पार्क बनाया जाएगा। साफ सफाई का विशेष कार्य करने की मथुरा, वृंदावन और ब्रज क्षेत्र में आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आपको अपने लिये नहीं मथुरा के विकास के लिए सुझाव देना चाहिए। उसको में पूरा कराउंगी। मथुरा गोवर्धन रिंग रोड का निर्माण होना आवश्यक है। हमारे मथुरा के लोकल कलाकार आगे आ रहे हैं उनकी कला को निखारने की आवश्यकता है। इन सभी कार्यों के लिए योगी और मोदी जी के आशीर्वाद की आवश्यकता है। यह चुनाव हेमामालिनी के लिए नहीं है यह चुनाव मोदी की जीत के लिए आवश्यक है।

उन्होंने राम मंदिर बनाया। उसके शुभारंभ को मैं भूल नहीं सकती है। प्रदेश की 80 की 80 सीटें योगी मोदी के खाते में जाए, अबकी बार चार सौ के पार। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिस दिन वोट पड़े उस दिन हर कोई अपने सभी कार्य छोड़कर वोट देने जाएं।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहुंचे वृंदावन संतों से लिया आशीर्वाद

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से मुलाकात करते नगरवासी।

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आज यहां पहुंचे। उन्होंने गोरेलाल कुंज व रसिक बिहारी मंदिर में पूजन अर्चन कर संतो का आशीर्वाद लिया। महाराज श्री के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सम्पूर्ण परिसर भागवत राम व बांके बिहारीलाल के जयकारो से गुंजायमान हो गया। मीडिया से बातचीत करते हुए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने विश्वास जताया कि अब वह दिन दूर नही जब मथुरा में भी भगवान श्री कृष्ण जल्द भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। उन्होंने कहा कि ब्रज क्षेत्र भक्तों की आस्था का केंद्र है। सरकार से अनुरोध है कि वृंदावन के 20 किलो मीटर क्षेत्र अंतर्गत मास मदिरा की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाए जाए। इससे पूर्व उन्होंने संतो का आशीर्वाद ग्रहण किया।

बॉडी बिल्डिंग कंपटीशन में शिवम बने मिस्टर बरसाना

यूनिक समय, बरसाना। शहीद भगत सिंह क्रांति दल के तत्वावधान में शहीद भगतसिंह क्रान्तिदल बलिदान दिवस पर मिस्टर बरसाना बॉडी बिल्डर चैंपियन प्रतियोगिता के नाम से मनाया। कार्यक्रम में बच्चों का डांस रखा गया। वही बरसाना क्षेत्र से मिस्टर बरसाना चुनने के लिए बॉडी बिल्डिंग चैंपियन प्रतियोगिता रखी गई। बॉडी बिल्डिंग मिस्टर बरसाना प्रथम स्थान शुभम शर्मा, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर जगदीश तथा गुलशन ने बाजी मारी। सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर शहीद भगतसिंह क्रान्तिदल के संस्थापक पदम फौजी, गोविंद मुनीम, कलुआ गौड, प्रेमचंद खण्डेलवाल, गोकलेश कटारा, दिनेश परमार, श्रीकान्त मिश्रा, कपिल, नरेश ठाकुर, राकेश आचार्य आदि उपस्थित थे।

धर्म रक्षा संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन 28 को

यूनिक समय, वृंदावन। धर्म रक्षा संघ के 21 वर्ष पूरे होने पर 28 मार्च को परिक्रमा मार्ग कालीदह स्थित अखंड दया धाम में दीदी माँ साध्वी ऋतंभरा के सानिध्य में राष्ट्रीय अधिवेशन होगा। राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद महाराज करेंगे। इनके अलावा सद्गुरु संत ऋतेश्वर महाराज, वीतराग संत स्वामी गोविंदानंद तीर्थ महाराज, स्वामी बलराम देवाचार्य महाराज, महंत डॉ. आदित्यानंद महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज, महंत डॉ.सत्यनारायण दास महाराज प्रमुख वक्ता होंगे। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय अधिवेशन तीन सत्रों में होगा। प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से 1:00 बजे तक होगा, द्वितीय सत्र दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक होगा, इसमें कार्यशाला होगी। तृतीय एवं अंतिम सत्र सायं 7:00 बजे से 9:00 तक होगा, जिसमें लोक नृत्य एवं रासलीला होगी।

पुलिसकर्मियों ने दिया ईमानदारी का सबूत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर टिकट खरीदने के दौरान एक यात्री के चालीस हजार रुपये गिर गए। पुलिस को इस बारे में बताया गया तो पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद रुपये बरामद कर यात्री को लौटा दिए। उप निरीक्षक सोनू शर्मा, मुख्य आरक्षी ताहिर इस्लाम व सुधीर कुमार मथुरा जंक्शन पर ड्यूटी कर रहे थे।

इसी दौरान बुकिंग हॉल में विंडो से टिकट खरीदने के दौरान भगवान लाल निवासी गांव बैधनाथ जिला देवधर झारखंड के चालीस हजार रुपये गिर गए। वहां ड्यूटी कर रहे ताहिर इस्लाम और सुधीर कुमार को जब इस बात का पता लगा तो उन्होंने बुकिंग और आस-पास

यात्री के गुम हुए 40 हजार लौटाए

पुलिस की तारीफ करते नहीं थका यात्री

के इलाके में तलाश किया। पुलिस को उसके रुपये मिल गए। इस बारे में थाना प्रभारी संदीप तोमर को भी बताया गया। भगवान लाल को थाने ले जाकर उसके चालीस हजार रुपये पुलिसकर्मियों ने लौटाते हुए ईमानदारी का परिचय दिया। रुपये मिलने पर भगवान लाल का चेहरा खिल गया और उसने रुपये लौटाने वाले पुलिसकर्मियों की तारीफ की।

मथुरा जनपद के एकमात्र DM (नेफ्रोलॉजिस्ट) की सेवाएं अब केडी मेडिकल में

Dr. Imran S. Sofi
DM Nephrology SKIMS, Sri Nagar
MD Medicine SKIMS, Sri Nagar
MBBS AMU Aligarh

गुर्दा रोग विभाग (नेफ्रोलॉजी)

- एक्यूट किडनी फेलियर
- क्रोनिक किडनी फेलियर
- नेफ्रोटिक सिंड्रोम
- पेशाब में खून आना
- पेशाब में प्रोटीन आना
- पेशाब के रास्ते में जलन होना
- शरीर में सूजन आना
- पेशाब का कम ज्यादा आना
- अत्यधिक बीपी बढना
- बार-बार खून कम होना
- गुर्दे प्रत्यारोपण की सलाह
- डायलिसिस संबंधी समस्त इलाज

ओपीडी फ्री प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक

24 घण्टे इमरजेंसी सेवायें

24 घंटे डायलिसिस की सुविधा

हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस ईलाज की सुविधा
ECHS की सुविधा
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से ईलाज की सुविधा
भारतीय रेलवे से सम्बद्ध

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा, हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741

चुनाव : नामांकन पत्रों की बिक्री व नामांकन दाखिल होंगे कल से

जिलाधिकारी कार्यालय पर लगी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जालीदार बेरिकेडिंग।

टैंक चौराहे से कलेक्ट्रेट की तरफ जाने वाले मार्ग पर लगाया गया बैरियर।

वरिष्ठ संवाददाता

कलेक्ट्रेट पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लगाई बेरीकेडिंग

प्रत्याशी के साथ ज्यादा लोग नामांकन कक्ष में नही होंगे शामिल

यूनिक समय, मथुरा। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन पत्रों की बिक्री और नामांकन दाखिल करना कल से प्रारंभ हो जाएगा। इसके लिए भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कलेक्ट्रेट सहित रास्तों में बेरियर लगाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीएम शैलेन्द्र कुमार सिंह गुरुवार को 17 लोकसभा क्षेत्र मथुरा की अधिसूचना जारी करेंगे। प्रत्याशी नामांकन पत्र खरीदकर व फीस जमा कराके नामांकन पत्रों को 28 मार्च से चार अप्रैल तक निर्वाचन अधिकारी के समक्ष जमा करा सकते हैं। पांच अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी। आठ अप्रैल तक प्रत्याशी चुनाव से अपना नामांकन पत्र वापस ले सकता है। उसी दिन प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे। 26 अप्रैल को मतदान होगा। चार जून को मतगणना व परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व जिला प्रशासन ने नामांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके लिए जिलाधिकारी कार्यालय में नामांकन दाखिल होने के कारण वहां की व्यवस्था चाक चौबंद की गई हैं। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार निर्धारित व्यक्ति ही नामांकन दाखिल करने कक्ष में उपस्थित रहें। इसके लिए कलेक्ट्रेट पर जगह-जगह बेरीकेडिंग लगाई गई है। इसके लिए एसएसपी शैलेन्द्र कुमार पांडेय ने पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया है। कलेक्ट्रेट के लिए टैंक चौराहे से कई जगह बैरियर लगाए गए हैं। यही व्यवस्था औरंगाबाद की तरफ से आने वाले वाहनों व लोगों को नियंत्रित करने के लिए की गई है।

न तो गोवर्धन चौराहे पर गंदगी मिली न ही जाम लगा

काश मुख्यमंत्री रोज आएं

यूनिक समय, मथुरा। यदि आज जैसी सफाई व्यवस्था गोवर्धन चौराहे के आसपास के क्षेत्र की हुई, वैसी व्यवस्था यदि रोजाना शहर के अन्य हिस्सों की हो तो मथुरा-वृंदावन नगर निगम देश में इंदौर को पछाड़कर पहले स्थान पर आ सकता है।

आज लोग कहते मिले कि मुख्यमंत्री मथुरा में रोज आएं ताकि यहां की सफाई व्यवस्था अच्छी रहे और जाम के झाम से मुक्ति मिल सके।

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर और रतनलाल फूलकटोरी स्कूल से लेकर गोवर्धन चौराहे तक, गोवर्धन चौराहे से लेकर श्रीकृष्ण जन्मस्थान जाने वाले मार्ग, गोवर्धन चौराहे से कृष्णानगर तक के मार्ग, गोवर्धन चौराहे से लेकर कार्यक्रम स्थल तक जहां रोजाना भारी संख्या में सड़क के दोनों ओर कूड़ा दिखाई देता था, आज वहां नाम मात्र को कूड़ा नहीं था। बल्कि सफाई कराके चूना पड़ा था। गोवर्धन चौराहे पर न तो डग्गेमार वाहन दिखाई दिए और न ही दूसरे राज्यों से आने वाली निजी डग्गेमार बसें। न ही गोवर्धन चौराहे पर जाम लगा। यहां से निकलने वाले लोग मुख्यमंत्री के आगमन को अच्छा बता रहे थे कि इस बहाने सफाई हो गई और ना ही जाम में जूझना पड़ा।

गोवर्धन चौराहे पर आगरा जाने वाला साफ सुथरा पड़ा मार्ग।

घर में घुसकर की मारपीट, तीन घायल

यूनिक समय,चौमुहां (मथुरा)। गांव सुनरख में होली पर हुई कहासुनी के बाद एक ग्रामीण के घर पर गांव के कई लोगों ने लाठी, फर्सा व हथियारों से लैस होकर हमला कर दिया। हमलावरों ने तीन लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया।

गांव सुनरख निवासी भोला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि होली वाले दिन गांव का प्रदीप, राजा आदि कई लोग शराब पीकर उसके घर में घुस आए। गाली गलौच और अश्लील बाते कहने लगे। लोगों ने इन लोगों को उस समय तो वहां से हटा दिया। दूसरे दिन प्रदीप अपने सहयोगियों के साथ हथियारों से लैस होकर आया। इन लोगों ने परिवार के लोगों के साथ मारपीट की। हमलावरों ने उसके पिता कन्हैई, भाई राजाबाबू व पप्पू को बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया। हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

जीएलए को बड़ी उपलब्धि

170 विद्यार्थी कैपजेमिनी में चयनित

जीएलए विश्वविद्यालय के कैंपजेमिनी में चयनित छात्र-छात्राओं के साथ हैं विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण।

यूनिक समय, मथुरा। अगर हौसले बुलंद हों तो किसी भी सफलता के मुकाम को हासिल करना कोई कठिन काम नहीं है। इन हौसलों के बलबूते जीएलए विश्वविद्यालय के 170 विद्यार्थियों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का भरोसा जताकर दिग्गज कंपनी कैपजेमिनी में बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कैपजेमिनी ने जीएलए विश्वविद्यालय में पिछले आठ वर्षों के अपने प्लेसमेंट रिकॉर्ड में बढ़त दर्ज की। इस बार उच्चतम पैकेज पर 170 विद्यार्थियों को रोजगार प्रदान किया है। कोर कंपनी में रोजगार पाकर बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं एमसीए के विद्यार्थी खुशी से झूम उठे हैं।

चयनित छात्रा प्राची अग्रवाल ने बताया कि छात्रों को कंपनियों में सलेक्शन के दौरान आत्मविश्वास इतना अधिक मजबूत हो जाता है कि विफलता कहीं दूर-दूर तक नहीं टिकती।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट कॉरपोरेट रिलेशन दीपक कुमार ने बताया कि छात्र-छात्राओं ने यह मुकाम यूं ही हासिल नहीं किया। इससे पहले छात्रों ने चार चरणों में हुए कड़े साक्षात्कार और ऑनलाइन परीक्षा से गुजरते हुए इस मुकाम पर पहुंचे।

प्लेसमेंट की गति को रफ्तार देने वाले जीएलए विवि के सीईओ नीरज अग्रवाल ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दी। कहा कि विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष 500 से अधिक कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए आती हैं। जीएलए प्लेसमेंट का हब बन चुका है।

सादर विनम्र स्मृतियाँ

स्व.(श्री) विश्नु चौबे जी
(18.07.31 - 16.03.17)

स्व.(श्रीमती) उमा देवी जी
(10.03.38 - 27.03.06)

आप हमारे बीच प्रतिपल, प्रतिदिन अपनी स्मृतियों व आदर्शों के माध्यम से जीवंत हो और सदैव रहोगे भी।

" आप ही हमारे अस्तित्व का आधार हो। "

श्रद्धावनत

पुत्रगण / पुत्रवधु

ब्रह्मानन्द चतुर्वेदी - रति | पवन चतुर्वेदी - अलका
महावीर चतुर्वेदी - साधना | विजय चतुर्वेदी - गिरिजा

पुत्री - मधु (गोपाल) चतुर्वेदी
एवं
समस्त "ब्रज बिहार" परिवार

प्रतिष्ठान

- ब्रज बिहार बस सर्विस
- ब्रज बिहार सेल्स
- चतुर्वेदी ओटो मोबाइल्स
- उमा मोटर्स (मारूति)
- ब्रज-बाइ व्हीलर्स (हीरो)
- विस्टा आर्किटेक्ट्स

BrijBihar Group
Automobiles & Hospitality ...
BrijHero
Bharat Petroleum
UMA MOTORS
BRIJ BIHAR Tours & Travels
MARUTI SUZUKI ARENA
Vista Architects
NEXA

सत्रहवीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती सुमन मित्तल
26-03-2007

आँगन सूना नैन सुने, सूने हैं त्यौहार।
सूने सूने दिन और रैना, सूना है परिवार॥

हम सभी परिवारीजन आपकी सत्रहवीं पुण्यतिथि पर आपके आदर्शों व मूल्यों को नमन करते हुए आपके दिखाए पथ पर अग्रसित हो, विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

-: श्रद्धानवत :-

पौत्र- पौत्रवधू
संदेश-प्रियंका
प्रतीक-पल्लवी
अभिनीत-निष्ठा

पौत्री
रुचिता, दीपिका, डॉ. मंजरी
प्रियंका, आयुषी, मिशिका, वत्सला एडo

प्रपौत्र
संकल्प, कृषव

प्रपौत्री
धृति, मायरा

पुत्र-पुत्रवधू
धनेश-कुमकुम
गिरीश-सुनीता
ब्रजेश-सुधा
मुकेश-मनीषा
राजेश-नीता

एवं समस्त परिवारीजन

सेठ कन्हैया लाल धार्मिक ट्रस्ट
चीयर अप परिवार, मथुरा

डॉ. उमेश चंद्र ब्रज विभूति सम्मान-2024 से सम्मानित

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज कला केंद्र दिल्ली ने उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा को 'राधा शरण अग्रवाल स्मृति ब्रज विभूति सम्मान- 2024' प्रदान कर सम्मानित किया। ये समारोह नई दिल्ली स्थित साईं ऑडीटोरियम में विगत दिवस हुआ। ये उपाधि उनको मंच पर साहित्य व सांस्कृतिक जगत की हस्तियों ने प्रदान की।

डीएम कार्यालय समेत अन्य कार्यालयों में रहा सन्नाटा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के मथुरा आगमन को लेकर पुलिस की सख्ती से शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसर गया, वहीं अधिकारियों के मुख्यमंत्री की अगवानी में लगने के कारण कार्यालयों में भी सन्नाटा दिखाई दिया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी मुख्यमंत्री की अगुवाई में लगे हुए थे। अधिकारियों के कार्यालयों में न बैठने के कारण कलेक्ट्रेट में भी अधिकारियों को शिकायत देने के लिए आने वाले लोगों की भीड़ भी नजर नहीं आई। जिलाधिकारी कार्यालय पर इस तरह का

दृश्य नजर आया मानों आज कार्यालय की छुट्टी हो। कार्यालय पर पूरी तरह से सन्नाटा नजर आया। इसके साथ ही अधिवक्ताओं द्वारा नो वर्क कर दिए जाने पर भी जजी में मुकदमों के लिए आने वाले लोगों की संख्या काफी कम नजर आई। वहीं पुलिस की सख्ती के कारण शहर की भारी भीड़ वाली सड़क

शहर की सड़कों पर भी वाहन नजर नहीं आए

सड़कों से गुजरने वाले इसे देख हैरान नजर आए

स्टेट बैंक चौराहा, भूतेश्वर और डीग गेट इलाके में सड़को पर वाहनों के न चलने के कारण पूरी तरह से सन्नाटा छाया रहा। देखने से ऐसा लग रहा था मानों शहर के लोग कहीं चले गए हैं।

मथुरा में आयोजित भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह भेंट करते बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ठाकुर मदन गोपाल एडवोकेट व सचिव गोपाल गौतम उर्फ आई एडवोकेट।

मथुरा बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

यूनिक समय, मथुरा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ठाकुर मदन गोपाल एडवोकेट व सचिव गोपाल गौतम उर्फ़ आई एडवोकेट ने भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में भाग लेने आए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह भेंट कर ज्ञापन सौंपा। इसमें अधिवक्ताओं के हितों में चैंबर्स के निर्माण को जगह व उसको बनाने के लिए धनराशि सरकार की ओर से दिलाने एवं अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट की भी मांग की।

जिकड़ी भजन दंगल प्रतियोगिता 30 को

यूनिक समय, गोवर्धन। नीमगांव स्थित निम्बार्क तपोस्थली मंदिर में 39वीं जिकड़ी भजन प्रतियोगिता 30 मार्च को रात्रि 9 बजे से होगी। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के अलावा राजस्थान व अन्य प्रांतों से गायक कलाकारों की टीम शामिल होगी। प्रतियोगिता में कलाकारों के लिए प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपये एवं अन्य टीम को भी पुरस्कृत किया जाएगा। यह जानकारी आयोजन समिति के संजय शर्मा ने दी।

एक ग्रामीण की झोंपड़ी में लगी आग

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के गांव नगला बोहरा में एक झौंपड़ी में लगी आग से चार दो पहिया वाहनों सहित लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।

नगला बोहरा निवासी श्यामबाबू बीती रात अपने घर पर अकेला सो रहा था। रात को करीब दो बजे झोपड़ी में अचानक आग लग गई। श्यामबाबू ने किसी तरह वहां से बाहर निकल कर किसी तरह जान तो बचा ली, लेकिन उस समय तक आग काफी विकराल रूप धारण कर चुकी थी। आग से

चार दुपहिया वाहनों सहित लाखों का सामान जला

देखते ही देखते वहां खड़े चार दो पहिया वाहन और लाखों रुपये का सामान जल कर राख हो गया। ग्रामीणों ने आग को किसी तरह बुझाने का प्रयास किया। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी जब तक पहुंची उस समय तक सभी सामान जल चुका था।

साइबर ठगों ने की धोखाधड़ी

लाखों के दो फर्जी ट्रांजेक्शन किए

यूनिक समय मथुरा। शिवासा कॉलोनी गोवर्धन रोड के रहने वाले प्रदीप कुमार महेश्वरी ने थाना प्रभारी को दी शिकायत में कहा है कि उनके एसबीआई क्रेडिट कार्ड से से 26 मार्च को 10.46 बजे फ्लेप कार्ड के माध्यम से 1,48,99 रुपये का ट्रांजेक्शन तथा उसके बाद करीब 11 बजे फोन पेय द्वारा 49,470 रुपये का ट्रांजक्शन हुआ। दोनों ही ट्रांजेक्शन न तो उनके द्वारा किए गए और ना ही उनके फोन से यह ट्रांजेक्शन किया गया है। किसी साइबर अपराधी ने ये ट्रांजक्शन किए हैं। पुलिस से इस मामले में कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

रंगनाथ भगवान का दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव शुरू

दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव के पहले दिन भगवान रंगनाथ माता गोदा (लक्ष्मी जी) के साथ सोने से बनी पुण्य कोटि में।

यूनिकत समय, वृंदावन। उत्तर भारत के दक्षिण भारतीय शैली के विशालतम रंगनाथ मंदिर का दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा पाठ के साथ शुरू हो गया।

ब्रह्मोत्सव के पहले दिन सुबह के समय भगवान रंगनाथ माता गोदा (लक्ष्मी जी) के साथ सोने से बनी पुण्य कोटि में विराजमान हुए।

मंदिर से शुरू हुई सवारी गाजे बाजे के साथ बड़े बगीचा पहुंची जहां कुछ देर विश्राम करने के बाद सवारी वापस मंदिर आई।दस दिवसीय ब्रह्मोत्सव की शुरुआत बुधवार

सोने से बनी पुण्य कोटि में विराजमान हुए भगवान रंगनाथ

की प्रातः शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण की परंपरा के साथ हुई। शुभ मुहूर्त में मंदिर के पुरोहित विजय मिश्रा ने वैदिक मंत्रों के मध्य उत्सव प्रारम्भ करने के लिए मंदिर के श्री महंत गोवर्धन रंगाचार्य महाराज के निर्देशन में ध्वजारोहण के समय भगवान गरुड़ जी का पूजन पुजारी राजू स्वामी से कराया।

उठावनी

स्व. श्रीमती मन्जू अग्रवाल

बड़े दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी धर्मपत्नी श्रीमती मन्जू अग्रवाल का आकस्मिक निधन दिनांक 27.03.24 दिन बुधवार को हो गया है। उठावनी दिनांक 28.03.2024 दिन गुरुवार को महिलाओं एवं पुरुषों अपरान्ह 4 बजे से 5 बजे तक अग्रवाटिका, दिल्ली-मसानी लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

उच्छवदास अग्रवाल, खोआ वाले (पति)

राजेश कुमार, विकास, सोनू, वृन्दावन दास, माधव (भतीजेगण)

अभिषेक-निधि, हिंमाशु-खुशबु (पुत्र-पुत्रवधु)

शौर्य, महक (धेवते-धेवती)

प्रीति-पीयूष (पुत्री-दामाद)

श्रेय, निकुन्ज, देवांश, कुशाग्र, अराध्य, कृष्णा, विद्यायन्श (नातीगण)

गिरधारी लाल-ब्रजलता, अशोक कुमार-यशोदा (ज्येष्ठ भ्राता-भाभी)

रानी-विकास (बहन-बहनोई)

एवं समस्त खोआ वाला परिवार

फर्म

हिमांशु अराध्य सिल्वर आर्नामेन्ट

मायका पक्षः- विजय कुमार (ग्रे वाले), संजय कुमार सर्राफ (मथुरा)

बसपा ने बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को बांटी जिम्मेदारियां

यूनिक समय,मथुरा। बहुजन समाज पार्टी के आगरा मंडल प्रभारी व पूर्व राज्य मंत्री गोरेलाल जाटव ने पार्टी के हनुमान नगर स्थित लोकसभा चुनाव कार्यालय पर बसपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसमें बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां बांटी गई। बैठक में तय हुआ कि बसपा प्रत्याशी पंडित कमलकांत उपमन्यु एक अप्रैल को कार्यकर्ताओं के साथ अपना नामांकन दाखिल करेंगे। बैठक में जिला प्रभारी हेमेंद्र कुमार, जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह, बल्देव

बसपा प्रत्याशी कमलकांत एक अप्रैल को करेंगे नामांकन

विधानसभा क्षेत्र प्रभारी प्रेमचंद कर्दम ने बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां बांटी। बसपा प्रत्याशी ने बल्देव में दाऊजी मन्दिर में दर्शन कर दाऊ बाबा का आशीर्वाद लिया और शहीद बबलू कुमार के गांव झंडीपुर, करनावल आदि गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की और जनसंपर्क किया।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह भेंट करते युवा व्यापारी नेता अंकित अग्रवाल।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को स्मृति चिन्ह भेंट करते टेप्स एंड कॉक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज वशिष्ठ, उपाध्यक्ष पुनीत माटा, महामंत्री आनंद राठी तथा कोषाध्यक्ष पीयूष गर्ग।

हंसना है हर मर्ज की दवा, तन और मन दोनों रहते हैं स्वस्थ

यूनिक समय, मथुरा। हंसना सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। लेकिन आजकल बिजी लाइफ में लोग हंसना ही भूल गए हैं। हंसी न केवल लोगों को एक साथ लाने का एक शानदार तरीका है बल्कि यह शारीरिक और मानसिक रूप से भी आपके लिए फायदेमंद है।

दर्द से राहत दिलाता है

हंसने से एंडोर्फिन नामक हार्मोन निकलता है, जिससे आपको अच्छा महसूस होता है। ये हार्मोन स्ट्रेस से राहत दिलाने में मदद करता है। ऐसे में आप तनावमुक्त रहना चाहते हैं तो हंसना आपके लिए बेहद जरूरी है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है

हंसने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जिससे आप कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं। इसलिए हेल्दी रहने के लिए अपने दिन की शुरुआत हंसने से करें।

बल्ड प्रेशर को कंट्रोल करता है

हंसने से बढ़ते हुए ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल किया जा सकता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कम होता है। यह आपकी रक्त वाहिकाओं को बेहतर करने में भी मदद करता है।

चैन की नींद आती है

अगर आपको नींद न आने की समस्या है तो हंसने की आदत डाले लें। इससे शरीर में मेलाटानिन नाम का हार्मोन बनता है, जिससे आप चैन की नींद सो सकते हैं।

ग्लोइंग स्किन

हर किसी को ग्लोइंग स्किन की चाह होती है। हंसने से चेहरे की मांसपेशियां सही से काम करने लगती हैं, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्किन ग्लोइंग होती है।

दिल की सेहत के लिए

हंसने से आप दिल से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं। यह हार्ट अटैक के खतरे को कम करने में मदद करता है।

अगर आप हैं लो बीपी से परेशान तो, चॉकलेट करेगी इस समस्या का समाधान

यूनिक समय, मथुरा। जिन लोगों को लो बीपी की समस्या होती है उन लोगों में अक्सर चक्कर आना और सिर दर्द जैसी समस्याएं देखी जाती हैं। दरअसल, लो बीपी डिहाइड्रेशन और लो सोडियम वॉल्युम की वजह से हो सकता है। इसमें आपके ब्लड वेसेल्स में खून की रफ्तार कम हो जाती है, ब्रेन में सही से ऑक्सीजन और खून नहीं पहुंच पाता है और आप बेहोशी के शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आप लो बीपी में चॉकलेट खा सकते हैं। लेकिन, ये कैसे काम करेगी, जानते हैं।

फ्लेवोनॉयड्स से भरपूर है चॉकलेट

माना जाता है कि चॉकलेट में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स की मात्रा चार गुना अधिक होती है। फ्लेवोनोइड्स में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो आपके रक्त वाहिकाओं के अंदरूनी स्तर में एंडोथेलियल कोशिकाओं को होने वाले नुकसान को रोक सकते हैं। क्षतिग्रस्त एंडोथेलियल कोशिकाओं के कारण धमनियों में रुकावट और संकुचन होता है और चॉकलेट खाना इस क्षति को कम कर सकता है।

ब्लड वेसेल्स को आराम पहुंचाती है

चॉकलेट, खासकर डार्क चॉकलेट आपके शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड बढ़ाते हैं जिससे धमनियां चौड़ी हो जाती हैं और मसल्स आराम में आ जाता हैं। इससे खून की रफ्तार तो बेहतर होती ही है, साथ ही दिल को आराम मिलता है और बीपी बैलेंस रहता है। तो, इन कारण से भी आपको लो बीपी में चॉकलेट खाना चाहिए।

पोटेशियम से भरपूर

हाई पोटेशियम से भरपूर चॉकलेट शरीर से अतिरिक्त सोडियम को बाहर निकालने में मदद कर सकता है। जब आपके शरीर में अतिरिक्त सोडियम होता है, तो यह इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने के लिए पानी को बरकरार रखता है। इस तरह ये सोडियम और पानी को बाहर निकालकर आपके ब्लड प्रेशर को स्थिर करती है।

तो, अगर आप लो बीपी के मरीज हैं तो, डार्क चॉकलेट या फिर आप चॉकलेट का भी सेवन कर सकते हैं। ये आपके शरीर में इन तमाम गुणों के साथ ब्रेन को तुरंत एनर्जी पहुंचाती है जिससे आप बेहोशी, कमजोरी और सिर दर्द जैसे लक्षणों से लड़ सकते हैं।

दर्द पैरों का हो या दांत का, नमक का पानी आएगा काम

सूजन कम करने वाले इस देसी उपाय का साइंस

यूनिक समय, मथुरा। बचपन से हम लोग सुनते आए हैं शरीर में दर्द है तो, गर्म पानी में नमक मिलाकर नहा लें। अगर आपके पैरों में दर्द है तो भी आप नमक के पानी में पैर डाल सकते हैं। सिकाई करनी है तब भी आप नमक के पानी का इस्तेमाल करते हैं। दांतों में दर्द है तब भी आप नमक का पानी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? नमक, एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है जो कि सूजन को कम कर सकता है। असल में नमक शरीर को डिहाइड्रेट करने में तेजी से काम करता है और टिशूज में जमा एक्सट्रा फ्लूइड में कमी लाता है। ये असल में, वॉटर रिटेंशन में कमी लाता है और सूजन कम होने लगती है। इससे आपके शरीर के तमाम सेल्स का तनाव कम होता है और सूजन में कमी आती है।

दर्द कम करता है

नमक की सिकाई असल में आपके दर्द में कमी ला सकती है। नमक में नेचुरल हीलिंग गुण होते हैं। जैसे कि अगर आप अपने पूरे शरीर में जोड़ों के दर्द के कारण सूजन से पीड़ित हैं, तो नमक वाले गर्म पानी में पैर रखकर आपकी मांसपेशियों को आराम मिल सकता है।

तनाव कम करता है नमक का पानी

नमक की सिकाई आपके तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। जैसे कि कहीं सूजन किसी खिंचाव के कारण है तो नमक का पानी इस सूजन को तेजी से कम कर सकता है। इसके अलावा ये वॉटर रिटेंशन में कमी लाता है जिससे आप बेहतर महसूस करते हैं।

स्ट्रेस कम करने में मददगार

नमक की सिकाई आपके शरीर के कामकाज को बेहतर बनाने में मददगार है। इससे मूवमेंट्स बेहतर होते हैं। साथ ही जोड़ों में ये नमी बढ़ाने का काम करती है और इससे स्ट्रेस में कमी आती है। तो, इन तमाम चीजों को ध्यान में रखते हुए आपको नमक के पानी से अपनी सूजन कम करने की कोशिश करनी चाहिए।

स्पोर्ट्स ड्रिंक से भी कई ज्यादा फायदेमंद है एक कप नारियल पानी

यूनिक समय, मथुरा। शरीर में इम्यूनिटी सिस्टम को बेहतर बनाएं रखने के लिए नारियल पानी पीना बेस्ट ऑप्शन है। इसमें लेक्ट्रोलाइट्स, लॉरिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशियम और जिंक की भरपूर मात्रा पाई जाती है। बता दें कि नारियल पानी में 95% तक पानी पाया जाता है। यही कारण है कि दूसरे ड्रिंक्स जैसे स्पोर्ट्स ड्रिंक्स या अन्य के मुकाबले यह ज्यादा फायदेमंद होता है। नारियल पानी पीने से शरीर को तेजी से इंस्टैंट इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। अगर आप सोचते हैं कि नारियल का पानी गर्मी में ज्यादा फायदेमंद होता है तो ऐसा नहीं है। आप इसका सेवन बिना किसी हिचकिचाहट के सर्दियों में भी कर सकते हैं। तो चलिए जानते है इसे पीने से शरीर को क्या फायदे होते है।

पेट के लिए फायदेमंद

इसे पीने से शरीर में पानी की कमी नहीं रहती। पेट से संबंधित परेशानियों से छुटकारा मिलता है। नारियल का पानी पीने से दस्त, डायरिया, पेट में दर्द, जलन, एसिडिटी आदि से राहत मिलती है।

ब्लड प्रेशर रखें कंट्रोल

नारियल पानी में पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा होने से यह ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन, आयरन, कैल्शियम, एंटी–ऑक्सीडेंट गुण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने में मदद करते हैं।

किडनी के लिए रामबाण है नारियल पानी

एक कप नारियल पानी में 600 मिलीग्राम पोटैशियम मिलता है। यह पूरे दिन की डाइट का 16 प्रतिशत पोटेशियम होता है। जो आपकी किडनी और मांसपेशियों के लिए काफी जरूरी होता है। एक कप नारियल पानी में 60 मिलीग्राम मैग्नीशियम भी मिलता है।

वजन घटाएं

वजन घटाने में नारियल पानी बेस्ट ऑप्शन है। यह लो कैलोरी ड्रिंक होने के कारण शरीर की जमा एक्सट्रा फैट को कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही इसके सेवन से शरीर को जरूरी तत्व भी मिलते हैं।

चमकदार त्वचा के लिए नारियल पानी

नारियल पानी में पानी की ज्यादा मात्रा होने के चलते स्किन को हाइड्रेट रखने में काफी मदद मिलती है। इतना ही नहीं इससे मॉइस्चराइज करने में भी हेल्प मिलती है।

सस्ते फूड्स के फायदे, जो बिना दवाओं के ही बच्चों की बढ़ाएंगे लंबाई

यूनिक समय, मथुरा। हम अपने आस पास ज्यादातर कम उम्र के बच्चों को या तो चश्में में देखते हैं या उम्र के साथ न बढ़ते हुए कद की समस्याओं से जूझते हुए। आज हम उन सस्ते फूड्स के बारे में चर्चा करेंगे जिनमें खर्चा भी बेहद कम लगेगा और बच्चों की लंबाई भी बढ़ेगी।

आजकल बदलती जीवन शैली में अच्छा खानपान बेहद जरूरी हो गया है, खान पान में होने वाली लापरवाहियों के कारण कम उम्र में ही लोग बीमारियों से घिर जा रहे हैं। हम अपने आस पास ज्यादातर कम उम्र के बच्चों को या तो चश्में में देखते हैं या उम्र के साथ न बढ़ते हुए कद की समस्याओं से जूझते हुए। आज हम इस आर्टिकल में उन 5 सस्ते फूड के बारे में चर्चा करेंगे जिनमें खर्चा भी बेहद कम लगेगा और बच्चों की लंबाई भी बढ़ेगी और आंखों पर लगा चश्मा उतर भी सकता है।

बच्चों को सुबह नाश्ते में 200 ग्राम दही जरूर परोसें। इससे उन्हें प्रोटीन के अलावा कई जरूरी मिनरल्स मिलेंगे।

यह पोषक तत्व आपके बजट में भी एकदम फिट बैठेगा और बच्चों की सेहत को भी फिट रखेगा।

अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चों का पाचन एकदम चकाचक रहे तो आप उन्हें रोज शकरकंद जरूर खिलाएं। इसमें विटामिन ए की भरपूर मात्रा रहती है और यह आपके बजट से भी ज्यादा दूर नहीं है।

सन्डे हो या फिर मंडे बच्चों को रोज खिलाएं अंडे क्योंकि अगर आप चाहती है कि आपका बच्चा एकदम फिट एंड फाइन नज़र आए तो यह प्रोटीन का सबसे बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इसके अलावा आप दाल का पानी भी पिलाएं।

अगर आप अपने बच्चे से बेहद प्यार करती हैं तो उन्हें बेरी ज़रूर खिलाएं। बता दें कि किसी भी प्रकार की बेरीज शरीर में कोशिकाओं को बढ़ाने का काम करती है। बच्चों को शरारती होने के साथ साथ कई बार चोटें भी लग जाती हैं जिनमें टिशू रिपेयर करने में बेरीज बेहद काम आती है।

अगर आप एक जिम्मेदार मां हैं तो अपने बच्चों को दूध का ग्लास देना नहीं भूलती होंगी। अगर आप अपने बच्चे की हाइट से बेहद परेशान हैं, तो उन्हें सुबह शाम एक गिलास दूध जरूर पिलाइए। दूध से उन्हें सारे जरूरी पोषक तत्व मिल जाएंगे और उनकी हाइट भी जल्दी बढ़ेगी।

शिमला, मनाली या नैनीताल जाने की बजाय आप इस बार परिवार के साथ जाएं इन जगहों पर

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप इस बार छुट्टियां बिताने के लिए शिमला, मनाली या नैनीताल जाने के बारे में सोच रहे हैं तो फिर इस बार नई जगह एक्सप्लोर करिए। क्योंकि ज्यादातर लोग गर्मियों की छुट्टियां परिवार के साथ बिताने के लिए इन्हीं जगहों पर आते हैं जिसके कारण भीड़ बहुत हो जाती है, ऐसे में आपके सुकून पाने की ख्वाहिश अधूरी रह सकती है। इसलिए आप ऑफ बीट प्लेस पर जाइए जहां कम लोग ही जाते हैं।

स्पीति भी आप जा सकते हैं, यह चारों ओर से हिमालय से घिरा हुआ है। यहां की पुरानी झीलें, दर्रा बहुत ही आकर्षक है। यहां पर आपको बहुत सुकून मिलेगा। यह जगह 12500 फीट की उंचाई पर स्थित है।

औली बहुत ही सुकून वाली जगह है, यहां पर आप प्रकृति का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। आप नंदा देवी, कामत कामेट और माना पर्वत जैसे धार्मिक स्थलों को भी घूम सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर्स एक्टिविटीज भी कर सकते हैं।

सिक्किम भी आपके लिए बेस्ट प्लेस है। आपको यहां पर खुद को प्रकृति की गोद में पाएंगे। इस जगह पर आपको बहुत भीड़ नहीं मिलेगी जिसके कारण परिवार के साथ आप एक अच्छा समय गुजार सकते हैं।

दार्जिलिंग भी आप घूम सकते हैं परिवार वालों के साथ। यह एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। इस जगह पर आप नाथु ला, इंडो-चाइना बॉर्डर और रुमटेक मॉनेस्ट्री के अलावा लाचुंग और युमथांग घाटी के सुंदर दृश्य का आनंद उठा सकते हैं।

पोहा खाने के फायदे जानकर खुश हो जाएंगे आप

पोहा के पांच जबरदस्त फायदे
आयरन से भरपूर
डायबिटीज, ब्लड शुगर में कारगर
न्यूट्रिएंट्स का खजाना
कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है
पेट की समस्याएं दूर करने वाला होता है

यूनिक समय, मथुरा। पोहा सेहत के लिए हल्का और हेल्दी ब्रेकफास्ट माना जाता है। इसे बनाने में भी ज्यादा वक्त नहीं लगता है। देखा जाए तो पोहा बनाने में मैगी से भी कम टाइम लगता है। नॉर्थ इंडिया में सुबह-सुबह पोहा खाना काफी पसंद किया जाता है। बच्चे-बूढ़े और जवान हर कोई इसे बड़े ही चाव से खाता है।

हालांकि, पोहे को लेकर कुछ लोग कंफ्यूज भी रहते हैं। कई तरह के सवाल पोहा को लेकर उनके मन में रहते हैं। ऐसे में न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने इसको लेकर कुछ खास बातें बताई हैं। आइए जानते हैं उनसे पोहे के क्या-क्या फायदे होते हैं-

न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर पोहा की उपयोगिता बताई है। उन्होंने सलाह दी है कि हर किसी को सुबह ब्रेकफास्ट में पोहा खाना चाहिए।

उन्होंने इसका कारण भी बताया कि आखिर पोहा को डेली ब्रेकफास्ट का हिस्सा क्यों बनाना चाहिए। उन्होंने अपने वीडियो में जानकारी दी है कि पोहा प्रो-बॉयोटिक है।

क्योंकि इसे जिस तरह से बनाया जाता है, उसमें फर्मेंटेशन नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें जो कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं, वे आसानी से डाइजेस्ट हो जाते हैं। इसलिए यह हेल्थ के लिए काफी बेनिफिशियल होता है।

ब्लड शुगर लेवल मेंटेन रखता है पोहा

न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने बताया कि हाई रिच फाइबर होने के चलते पोहा प्री-बायोटिक भी होता है। फाइबर की मात्रा भरपूर होने से ब्लड शुगर लेवल ऑटोमैटिक मेंटेन रहता है। पोहा आयरन से भी भरपूर होता है।

प्रेगनेंट वुमेन, पीरियड्स के दौरान और उन सभी के लिए यह फायदेमंद होता है, जिन्हें आयरन की आवश्यकता होती है। इसलिए पोहा सबसे हेल्दी कॉर्ब्स होता है। इसलिए हर किसी को हर दिन नाश्ते के तौर पर पोहा जरूर खाना चाहिए।

पीले हो चुके तकियों को धोएं कुछ इस तरह

यूनिक समय, मथुरा। तकियों के पीलेपन को दूर करने के लिए और उन्हें फिर से नया जैसा बनाने के लिए सबसे पहले आप एक कप लॉन्ड्री डिटर्जेंट पाउडर, एक कप डिशवॉशर डिटर्जेंट पाउडर, एक कप ब्लीच और आधा कप बोरेक्स को वॉशिंग मशीन या बहुत गर्म पानी से भरे बाथटब में डालें।

तकिए हर घर की जरूरत होते हैं, लेकिन लगातार इस्तेमाल के कारण न केवल वे गंदे हो जाते हैं, बल्कि उनमें एक अजीब तरह का पीलापन व दाग नजर आने लगता है। लोग उसे क्लीन करते भी हैं, लेकिन फिर भी उनका पीलापन कम नहीं होता है। हो सकता है कि आपके साथ भी ऐसा ही होता हो। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, तकिए पर मौजूद जिद्दी पीले दागों को साफ करना इतना भी मुश्किल नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको एक ऐसे ही आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप पीले हो चुके तकियों को फिर से नया जैसा बना सकते हैं.....

तकियों को फिर से नया जैसा बनाने से पहले आपको यह जानना चाहिए कि तकिए पीले क्यों हो जाते हैं। दरअसल, समय के साथ और लगातार इस्तेमाल करने से तकियों के रंग के परिवर्तन आता है। दरअसल, सोते समय तकिए पसीना, लार, आपके बालों और स्किन से नेचुरल ऑयल आदि को अब्जॉर्ब करते हैं। ऐसे में तकिए का रंग आसानी से पीला पड़ने लगता है। इसलिए, उन्हें फिर से नया जैसा बनाने के लिए सिर्फ मशीन वॉश करना ही काफी नहीं है। इसके लिए आपको थोड़ा अतिरिक्त प्रयास करना होगा।

तकियों के पीलेपन को दूर करने के लिए और उन्हें फिर से नया जैसा बनाने के लिए सबसे पहले आप एक कप लॉन्ड्री डिटर्जेंट पाउडर, एक कप डिशवॉशर डिटर्जेंट पाउडर, एक कप ब्लीच और आधा कप बोरेक्स को वॉशिंग मशीन या बहुत गर्म पानी से भरे बाथटब में डालें। इस पानी को मिक्स करने के बाद आप तकियों को कम से कम एक घंटे तक के लिए भिगोकर रख दें। अब आप हमेशा की तरह तकियों को धो लें।

तकियों को सुखाने के लिए आप कई तरीके अपना सकते हैं। यूं तो तकियों को धूप में प्राकृतिक रूप से सुखाना सबसे अच्छा माना जाता है। लेकिन अगर आप चाहें तो उसे मशीन में भी ड्रायर कर सकते हैं। आप इसे एयर मोड पर सुखा सकते हैं। वहीं, अगर आपका तकिया सिंथेटिक है, तो ऐसे में आप कम तापमान पर ही उसे सुखाएं। तकियों को सुखाने के लिए आप मशीन में कुछ साफ टेनिस बॉल या वूल ड्रायर बॉल भी एड कर सकते हैं, इससे आपके तकिए फ्लफी रहेंगे। चूंकि तकियों पर गंदगी और दाग बहुत जल्दी से आ जाते हैं, इसलिए आप अपने तकियों को हर तीन महीने में साफ करें।

फटी एड़ियों को कोमल बना देंगे ये अचूक नुस्खे

यूनिक समय, मथुरा। आमतौर पर एड़ियां फटने की समस्या होती है। यह सिर्फ मौसम पर ही निर्भर नहीं करता है, बल्कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी, सोरायसिस, थॉयरायड और आर्थराइटिस जैसी बीमारियां भी फटी एड़ियों के लिए जिम्मेदार होते हैं। वहीं इन पर ध्यान न दिए जाने से यह गंभीर रूप ले लेती हैं। कई बार यह इतना ज्यादा फट जाती हैं कि तेज दर्द के साथ खून भी निकलने लगता है।

ऐसे में अगर आप भी एड़ियों के फटने से परेशान हैं, तो आपके किचन में इसका इलाज मौजूद है। इन उपायों को करने से आपकी एड़ियां सॉफ्ट हो जाएंगी।

फटी एड़ियों से निजात पाने के लिए सबसे पहले आधी बाल्टी गुनगुना पानी ले लें। इस पानी में नींबू का रस, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच ग्लिसरीन मिला लें। फिर इस पानी में करीब 15-20 मिनट तक पैर डालकर बैठें। इसके बाद स्क्रबर की मदद से एड़ियों को साफ करें। ऐसा करने से आपकी एड़ियां काफी हद तक सही हो जाएंगी।

रात में एक चम्मच ग्लिसरीन, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच नींबू के रस को मिक्स कर अपनी एड़ियों पर लगाएं और सूखने के बाद मोजे पहन लें। रातभर ऐसे ही लगाए रहने के बाद सुबह पैर धो लें। इस उपाय को कुछ दिनों कर लगातार करने से आपकी एड़ियां पहले जैसी मुलायम हो जाएंगी। शहद का इस्तेमाल कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स के तौर पर किया जाता है। फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के लिए एक बाल्टी पानी में एक कप शहद मिला लें। अब उस पानी में 15-20 मिनट तक पैर डालकर बैठें। फिर एड़ियों को स्क्रब कर गुनगुने पानी से पैरें को धो लें। जब तक एड़ियां मुलायम नहीं हो जाती, तब तक आप इस नुस्खे को रोज करें। जल्द ही आपको अच्छा रिजल्ट मिलेगा।

नारियल का तेल सिर्फ बालों और स्किन के लिए ही नहीं बल्कि फटी एड़ियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। सबसे पहले नारियल तेल से एड़ियों की मसाज करें और फिर मोजे पहन लें। रात भर इसे लगाए रखने के बाद सुबह पैरें को स्क्रबर की मदद से साफ कर लें। इस उपाय से जल्द ही आपकी एड़ियां मुलायम हो जाएंगी।

सम्पादकीय

कागजी फरमान ही न बने आदर्श आचार संहिता

चुनावों के दौर में राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और राजनेताओं से यह अपेक्षा हमेशा की जाती है कि वे कानून के दायरे में रहकर प्रचार में जुटेंगे। इन्हीं अपेक्षाओं को लेकर हर बार चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू होती रही है। चुनाव आयोग ने इस बार स्टार प्रचारकों की ओर से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में राजनीतिक दलों की मान्यता खत्म करने और चुनाव चिन्ह जब्त करने जैसी सख्ती अमल में लाने की चेतावनी दी है। चुनाव आयोग इस तरह का सख्त फैसला कितनी आसानी से ले पाएगा यह कहना मुश्किल है, फिर भी आयोग की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में चुनाव आयोग अब तक संबंधित व्यक्तियों, उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को नोटिस देता रहा है। लेकिन राजनीतिक दल की मान्यता खत्म करने जैसी सख्ती ऐसे मामलों में पहले कभी दिखी नहीं। वैसे भी आयोग को कमजोर नख–दंतों के कारण समय–समय पर आलोचना का शिकार होना पड़ता है। लम्बे समय से यह मांग की जाती रही है कि आदर्श आचार संहिता सिर्फ कागजी फरमान तक ही नहीं होना चाहिए बल्कि चुनाव आयोग को सख्त फैसले भी करने चाहिए। आचार संहिता में स्पष्ट कहा गया है कि जाति व सम्प्रदाय के आधार पर वोट देने की अपील किसी भी स्तर पर नहीं की जाएगी। लेकिन सबसे ज्यादा उल्लंघन प्रचार में इसी शर्त का होता दिखता है। जब राजनीतिक दल जाति व समुदाय के आधार पर टिकट देने में पीछे नहीं रहते तो फिर इसी के नाम पर वोट मांगने वाले भला क्यों पीछे रहने लगें? जहां तक बात स्टार प्रचारकों की है, राजनीतिक दल सोच–समझ कर अपने स्टार प्रचारक तय करते हैं।

पवन गौतम
संपादक

ऐसे में इनसे उम्मीद भी की जाती है कि वे सभाओं में संबोधन के दौरान सियासी मर्यादाओं का पालन करेंगे। लेकिन जब सियासी बयानबाजी एक–दूसरे को नीचा दिखाने के स्तर पर आने लगे तो फिर आयोग के ऐसे फैसलों की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। राजनीतिक रूप से दुष्प्रचार का बड़ा जरिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स भी बनते जा रहे हैं। आयोग को निगाहें चौकस रखनी ही होंगी।

राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द करने व चुनाव चिन्ह जब्त करने जैसी सख्ती हो तो उसका आधार भी मजबूत होना चाहिए। किसी पार्टी के स्टार प्रचारक को प्रतिद्वंद्वी पार्टी की तरफ से प्रलोभन देकर आचार संहिता के विपरीत कृत्य करने के लिए कहने के खतरे भी कम नहीं हैं। वैसे भी अब तक के अनुभव बताते हैं कि चुनाव आयोग के दिशा–निर्देश जितने सख्त दिखते हैं उससे कहीं ज्यादा कमजोरी इनकी पालना के वक्त नजर आती है।

नजरिया

टीकाकरण अभियान में अवरोध से बढ़ता संक्रामक बीमारियों का खतरा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दरअसल टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के लिए किसी को दोष भी नहीं दिया जा सकता। कोरोना 2019 के हालात ही ऐसे थे कि उस समय केवल और केवल कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाना एकमात्र प्राथमिकता रह गई थी।

लैसेंट ग्लोबल हेल्थ में हालिया प्रकाशित रिपोर्ट इस मायने में चिंतनीय और महत्वपूर्ण हो जाती है कि विश्वव्यापी टीकाकरण अभियान में अवरोध का असर सामने आने लगा है। दुनिया के देशों के सामने खसरा, हेजा, हेपेटाइटिस सहित 14 से अधिक बीमारियों के फैलने का संकट उभरने लगा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों में हैजा के कारण मौत का आंकड़ा लगभग दो गुना हो गया है। तपेदिक नए वेरियंट में आने लगी है जिसमें लगातार खांसी नहीं होने के कारण तपेदिक का पता लगने तक में काफी देरी होने लगी है। दरअसल कोरोना अपने साइड इफेक्ट इस हद तक छोड़ गया है कि उसका असर हमें प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से आने वाले कई सालों तक देखने का मिलेगा। कोरोना के कारण दुनिया के देशों में टीकाकरण अभियान पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। 2019 के अंतिम त्रैमास से 2020 तक कोरोना त्रासदी और उसके बाद कोरोना के नित नए वेरियंट के कारण स्वास्थ्य को लेकर चल रहे विभिन्न अभियानों पर सीधा सीधा असर पड़ा है। मजे की बात यह है कि उसका असर अब दिखाई देने लगा है। इंपिरियल कॉलेज लंदन के शोधार्थियों ने भारत सहित 112 देशों में किए गए अध्ययन में यह पाया है कि टीकाकरण में कोरोना काल में टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के कारण 2030 तक दुनिया के देशों में खसरा सहित 14 बीमारियों के फैलने के कारण अतिरिक्त मौत होगी। एक अनुमान के कारण अकेले खसरे के कारण ही 40 हजार से अधिक जान जाने का अनुमान है। हैजा के कारण होने वाली मौतों के आंकड़ें सामने आये हैं। करीब करीब दो गुनी गति से हैजा के मामलें सामने आने लगे हैं। 2023 में सात लाख के करीब मामलें सामने आये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसीलिए चिंता जताई है।

दरअसल टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के लिए किसी को दोष भी नहीं दिया जा सकता। कोरोना 2019 के हालात ही ऐसे थे कि उस समय केवल और केवल कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाना एकमात्र प्राथमिकता रह गई थी। हालात भयावह थे तो न भूतो न भविष्यति के हालात थे। सब कुछ ठहर जाने और दुनिया के किसी भी कोनों में नजर ड़ालों चारों ओर मौत का तांडव ही दिखाई देता था। सारी दुनिया का ध्यान इस त्रासदी से एक एक जान बचाना बड़ी प्राथमिकता थी। इस दौरान टीकाकरण अभियान तो जोर शोर से चला पर वह अन्य बीमारियों के स्थान पर कोरोना से बचाव के वैक्सीनेशन और उसके पहली और दूसरी डोज पर ही केन्द्रीत रहा। दुनिया के देशों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाना पहली प्राथमिकता रही। कोरोना वैक्सीनेशन के लिए भारत ने सारी दुनिया का नेतृत्व किया। परिणाम सामने हैं। आज कोरोना का आतंक लगभग समाप्त हुआ है। पर करोना के साइड इफेक्ट आज भी सामने हैं। हांलाकि कोरोना में मौत को नजदीक से देखने और कोरोना के कारण लाचारगी के बावजूद दुनिया के देशों में जो समझ आनी चाहिए थी वह कोसों दूर है। रूस–यूक्रेन युद्ध, इजराइल–हमास युद्ध, चीन की दादागिरी सहित दुनिया के देशों में संघर्ष, आतंकवादी घटनाएं बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती है। हांलाकि यहां विचार करना विषयांतर होगा।

दरअसल कोरोना काल ही ऐसा था कि उस समय वर्षों से चले आ रहे अभियान लगभग ठहर ही गए थे। बल्कि यों कहा जाए कि उस समय सारी दुनिया का ध्यान सबसे हटकर कोरोना त्रासदी से बचाव की ओर ही रह गया था। कोरोना प्रोटोकाल और कोरोना वायरस के संक्रमण के तरीके ने ही हिला कर रख दिया था। मास्क, सेनेटाइजर, सोशियल डिस्टेंस उस समय का धर्म था तो अस्पताल तो दूर की बात घर से निकलते भी भय लगता था। ऐसे में टीकाकरण अभियान बाधित होना ही था। इसके साथ ही कोरोना वैक्सीन की और सबका ध्यान होने से अन्य वैक्सीन के उत्पादन और उपलब्धता प्रभावित होना स्वभाविक था। पर अब जो अध्ययन सामने आया है और जो देखने को मिल रहा है वह चिंतनीय है। खसरा, हैजा, तपेदिक, हैपेटाइटिस बी सहित 14 प्रकार के टीके जो समय पर लगाये जाने आवश्यक होते हैं वह प्रभावित हुए हैं। खसरा और फ्लू के नित नए वैरियंट सामने आ रहे हैं। स्वाइन फ्लू, पैरट फीवर, रुबेला, न्यूमोनिया और ना जाने क्या क्या जानलेवा बीमारियां असर दिखाने लगी है। हैजा के दो साल में ही बढ़ते मामलों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन अपनी चिंता जता चुका है। केवल हैजा ही 2022 की तुलना में 2023 में करीब 48 प्रतिशत अधिक मामलें सामने आना अत्यधिक चिंता का कारण हैं। लोगों के इम्यूनेशन पॉवर में कमी आना बेहद चिंतनीय है। मौसम के जरा से बदलाव के साथ ही डॉक्टरों के यहां कतार लग जाना और नित नए वैरियंट में बीमारियां होना अपने आप में गंभीर हो जाता है।

चिकित्सा विज्ञान में शोध व अध्ययन कर रहे शोधार्थियों के लिए हालात चिंतनीय होते जा रहे हैं। उल्टा होने यह लगा है कि जो बीमारियां लगभग समाप्ती की ओर थी उनके नए वैरियंट भी दिखाई देने लगे हैं। तपेदिक इसका जीता जागता उदाहरण है। अब हालात सामने हैं। कोरोना के कारण जो हालात बने उसके लिए किसी को दोष नहीं दिया जा सकता है।

अब जो हालात और चुनौती सामने हैं उसी को देखते हुए आमजन के स्वास्थ्य की रणनीति तैयार करनी होगी। कोरोना के कारण प्रभावित वैक्सीनेशन से निपटने की योजना बनानी होगी। ऐसे समन्वित प्रयास करने होंगे ताकि टीकाकरण नहीं होने के कारण जो हालात बन रहे हैं उसका कोई सार्थक समाधान खोजा जा सके। यह किसी एक देश या एक कौम की चिंता नहीं है अपितु दुनिया के 112 देशों के अध्ययन का परिणाम हैं। हालात मुंह बाएं सामने हैं। जो होना था वह तो हो गया पर अब इसका संभावित उपाय खोजने के लिए वैज्ञानिकों को जुट जाना होगा। वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि 1937 से 2021 तक टीकाकरण अभियान का ही परिणाम रहा कि इन जानलेवा बीमारियों पर काफी हद तक अंकुश पाया जा सका। पर अब टीकारण अभियान में आये व्यवधान के कारण हालात में थोड़ा बदलाव आया है जिसे ध्यान में रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा। चुनौतियां दो तरह की सामने है। एक और इन बीमारियों के फैलाव या यों कहें कि संक्रमण को रोकना है तो दूसरी और इनसे प्रभावितों के सही ईलाज की चुनौती सामने है। दुनिया के देशों को इसके लिए जुट जाना होगा तो विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी गंभीर चिंतन मनन के साथ ही कारगर रणनीति तैयार करनी होगी।

विचार–विण्डो

चुनाव में भाषा का संयम एवं वचनों की मर्यादा जरूरी

ललित गर्ग

मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार–तार करने वाले इन नेताओं को आत्म–चिंतन की सख्त जरूरत है।

लोकसभा चुनावों जैसे–जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक–झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र–तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र–निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला–शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का 'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे–जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ़ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी।

हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल–बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल–बाला होता है, जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप–प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई। आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया।

कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है।

चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तो सारी हदें पार कर दी। जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने ईवीएम की निंदा 'चोर' के रूप में की थी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार–तार करने वाले इन नेताओं को आत्म–चिंतन की सख्त जरूरत है।

मर्यादित भाषा में विभिन्न दलों और नेताओं की आलोचना इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है। भाषा की मर्यादा और वाणी में संयम भारत के लोकतंत्र का आधार है। बेलगाम भाषा से क्षणिक प्रचार और सुर्खियां बटोरना सम्भव है लेकिन अतीत में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जो ये दर्शाते हैं कि ऐसे नेताओं को जनता भी कुछ समय बाद ही भूल जाती है। नेताओं को हर हालत में भाषा की मर्यादा एवं शालीनता को बनाए रखना चाहिए। भले ही चुनाव का वक्त आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे करने का वक्त है और खामियों को दबाने और उपलब्धियों के बखान का वक्त है।

लेकिन यह सब करते हुए भाषा की शालीनता एवं कड़वे बोल से बचने की जरूरत है।

यह वक्त मतदाता के जागने एवं विवेक से मतदान करने का भी है। वह अच्छे–बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का उपयोग करे। विडंबना ही है कि अमृतकाल से गुजरते देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग विष और अमृत के भेद को पूरी तरह महसूस नहीं कर पाया है। नेताओं के गलत, बेबुनियाद एवं तथ्यहीन बयानों कर सत्यता को जाने बिना उन पर विश्वास कर मतदाता लोकतंत्र को कमजोर करता है। भारतीय राजनीति में दागियों का दखल और धनबल का बढ़ता वर्चस्व यही बताता है कि हमारा मतदाता इन संवेदनशील मुद्दों के प्रति जागरूक नहीं हो पाया है। निश्चित रूप से मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो वोट डालने घर से नहीं निकलता। जो बड़ा तबका निकलता भी है वह भी धर्म, जाति, क्षेत्र और धनबल से रचे सम्मोहन से मुक्त नहीं हो पाता।

विशेषतः दक्षिण भारत की राजनीति में भाषा को राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। तमिलनाडु के नेता इसी भाषाई आग्रह के साथ कब और क्या बोल दें, यह कोई नहीं जानता। इससे समस्याएं पैदा हो जाती हैं। ऐसे ही कुछ मामलों की चर्चा आज भी होती है। इसी कड़ी में चुनाव प्रचार के दौरान एक नेता की टिप्पणी चर्चा का विषय बनी हुई है। इस तरह के बयानों से बना बनाया खेल बिगड़ जाता है और निजी छवि भी धूमिल हो जाती है। फिर अगर आप बड़े पद पर हैं और आपको हजारों लोग फॉलो करते हैं तो भाषा संयम और मर्यादा अत्यंत जरूरी हो जाती है। द्रविड़ राजनीति में गाहे–बगाहे ऐसे अवसर आते रहते हैं जब मंच से नेता वाहवाही बटोरने के लिए ऐसा कुछ कह जाते हैं, जिससे न केवल उनकी बल्कि पार्टी की भी फजीहत होती है। एक वर्ग को खुश करने की चाह में और अपने आला नेता की चाटुकारिता में बिना सोचे समझे बोलने के गंभीर परिणाम होते हैं। हकीकत यह है कि यह प्रवृत्ति पूरे देश में बढ़ रही है। कौन सा नेता कब वाणी का संयम खो दे, कहा नहीं जा सकता।

आगरा पहुंचे एनजीटी की मुख्य बेंच के सदस्य

डूब क्षेत्र से हटने चाहिए निर्माण

यूनिक समय, आगरा। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की मुख्य बेंच के सदस्य न्यायमूर्ति डॉ. अफरोज अहमद ने बुधवार को सर्किट हाउस में बैठक की। उन्होंने यमुना डूब क्षेत्र का निरीक्षण करने से इंकार कर दिया।

उत्तर प्रदेश के आगरा में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सदस्य न्यायमूर्ति डॉ. अफरोज अहमद बुधवार को पहुंचे हैं। ग्रामीणों ने उनसे गुहार लगाई है। कहा कि साहब, आपको यमुना पुकार रही है। डूब क्षेत्र में निर्माण हो गए। पोइया घाट पर पुलिस, प्रशासन, सिंचाई व एडीए सब आंख मूंदे हुए हैं। यहां आएंगे तो आप खुद हकीकत जान जाएंगे।

न्यायमूर्ति ने सबसे पहले सर्किट हाउस में पर्यावरण संरक्षण कार्यों के संबध में उच्च अधिकारियों संग बैठक की। यमुना डूब क्षेत्र का निरीक्षण नहीं करने की बात कही। निरीक्षण न करने के सवाल पर उन्होंने व्यस्तता जाहिर की। लेकिन, उन्होंने कहा कि डूब क्षेत्र

से निर्माण हटने चाहिए।

उन्होंने कहा कि आगरा ऐतिहासिक शहर है। आने वाली पीढ़ियों तक पर्यावरण की साझा धरोहर को पहुंचाने के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। कचरा प्रबंधन, नए जलाशय, कछुआ संरक्षण व अन्य कार्यों को लेकर उन्होंने प्रशासन की सराहना की।

यमुना में गिरने वाले नालों को लेकर उन्होंने स्वीकार किया कि अभी 50% कार्य हुआ है। सभी नाले ट्रीट होकर नदी में नहीं गिर रहे। बैठक में डीएम भानु चंद्र गोस्वामी, सीडीओ प्रतिभा सिंह, डीएफओ आदर्श कुमार क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि मौजूद रहे।

बताते चलें कि सिकंदरा स्थित बाईपुर से बल्केश्वर तक 10 किमी. लंबे यमुना डूब क्षेत्र में 500 से अधिक निर्माण खड़े हैं। नदी का डूब क्षेत्र 100 मीटर है। ताज संरक्षित वन क्षेत्र के मामले में सुनवाई के बाद एनजीटी ने डीएम को डूब क्षेत्र निर्धारण के निर्देश दिए थे।

सिंचाई विभाग ने डूब क्षेत्र के चिन्हांकन के नाम पर खानापूर्ति की। आधी-अधूरी मुड्डियां लगाईं। दयालबाग के पोइया घाट पर डूब क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण को लेकर पुलिस, प्रशासन, सिंचाई और एडीए को मुंह की खानी पड़ी। छह माह बाद भी कब्जा नहीं हटा। यहां बुधवार को एनजीटी सदस्य निरीक्षण के लिए जा सकते हैं। डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकना एडीए की जिम्मेदारी है। लेकिन, एडीए ही सबसे लापरवाह निकला। पूर्व में डूब क्षेत्र में एडीए ने अपार्टमेंट के नक्शे पास कर दिए। 2016 में एनजीटी में मामला पहुंचा। 2019 में एनजीटी के आदेश पर एडीए को डूब क्षेत्र में हुए निर्माण ध्वस्त करने पड़े।

कोरोना काल के बाद फिर अवैध निर्माण शुरू हो गए। एडीए अधिकारी आंख मूंदे रहे। पोइया घाट पर हुए अवैध निर्माण मामले में सिंचाई विभाग ने एडीए को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा, लेकिन नतीजा शून्य रहा।

मुरादाबाद सीट पर हो गया फैसला

एसटी हसन नहीं लड़ेंगे चुनाव,रुचि वीरा होंगी सपा की उम्मीदवार

यूनिक समय, मुरादाबाद। यूपी की 80 सीटों के लिए सात चरणों में लोकसभा के चुनाव होंगे। चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर रही हैं। समाजवादी पार्टी ने भी अपने उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारना शुरू कर दिया है। लोकसभा सीट के लिए मुरादाबाद सपा के लिए खास सीट रही है लेकिन इस सीट पर इस बार महासंग्राम देखने को मिला। सपा ने पहले अपने कद्दावर नेता एसटी हसन के नाम की घोषणा की और उन्होंने अपना नामांकन भी भर दिया। इसके बाद सपा ने रुचि वीरा को भी इस सीट से टिकट दे दिया। इस सीट पर सपा उम्मीदवारों को लेकर ही विवाद उभरा लेकिन अब ये फाइनल हो गया है कि अब रुचि वीरा ही इस सीट पर सपा की अधिकृत उम्मीदवार होंगी।

रुचि वीरा के द्वारा दाखिल किए गए नामांकन पर डीएम मानवेंद्र सिंह का कहना है, "...हमें डॉ. एसटी हसन द्वारा दाखिल किए गए फॉर्म को रद्द कर दिया गया है और एक नया फॉर्म दाखिल किया गया है।" मुरादाबाद लोकसभा सीट से पूर्व में घोषित प्रत्याशी एसटी हसन का टिकट कट गया है और रुचि वीरा को ये टिकट दिया गया है...फिलहाल, वह (रुचि वीरा) अधिकृत उम्मीदवार होंगी..."

वहीं रामपुर लोकसभा सीट से सपा के अधिकृत प्रत्याशी मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी होंगे।

सी-विजिल एप पर शिकायत के लिए मोबाइल नंबर की जरूरत नही

100 मिनट के अंदर होगी कार्रवाई

यूनिक समय,लखनऊ। चुनाव के दौरान अगर कोई उम्मीदवार आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहा है तो आम नागरिक भी इसकी शिकायत कर सकते हैं। शिकायत के 100 मिनट के अंदर मामले का निवारण हो जाएग। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इसकी जानकारी दी।

कोई प्रत्याशी आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहा है तो आम नागरिक भी इसकी शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सिर्फ गूगल प्ले स्टोर से सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। शिकायत के 100 मिनट के भीतर निर्वाचन आयोग कार्रवाई करेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि कोई प्रत्याशी मतदाताओं को पैसा-शराब आदि बांट रहा है तो इस एप के माध्यम से आप शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत से संबंधित फोटो वीडियो भी अपलोड कर सकते हैं।

शिकायत करने के लिए नाम व मोबाइल नंबर देने की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन अगर शिकायतकर्ता अपना नाम व मोबाइल नंबर देता है तो वह अपनी शिकायत की निगरानी भी कर सकता है। शिकायत दर्ज होने पर संबंधित रिटर्निंग अफसर अपने नजदीक के उड़नदस्ता टीम (एफएसटी) को मौके पर भेजता है।

जांच-पड़ताल के बाद अधिकारी को पोर्टल पर शिकायत के निस्तारण संबंधी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। आमतौर पर सी-विजिल एप के जरिये पैसा, गिफ्ट कूपन, शराब बांटने आदि की शिकायतें दर्ज की जाती हैं।

साथ ही बिना अनुमति के पोस्टर, बैनर लगाने या बैठक करने, बिना अनुमति के प्रचार में गाड़ी लगाने, धार्मिक और उन्मादी भाषण संबंधी परिवाद दर्ज किए जाते हैं।

एंबुलेंस से लड्डू गोपाल को लेकर अस्पताल पहुंचा युवक

यूनिक समय, शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में पेश आए एक अजीबोगरीब वाक्ये के तहत एक भक्त लड्डू गोपाल की मूर्ति को 'चोट' लगने पर उसे एंबुलेंस से लेकर अस्पताल पहुंचा। फूट-फूट कर रो रहे उस शख्स की श्रद्धा को देखकर डॉक्टरों ने लड्डू गोपाल का 'चिकित्सीय परीक्षण' और 'उपचार' किया।

जिले के खुटार थाना क्षेत्र स्थित सुजानपुर गांव का रहने वाला रिंकू मंगलवार की शाम सरकारी एंबुलेंस से लड्डू गोपाल की एक छोटी मूर्ति को लेकर स्थानीय सरकारी अस्पताल पहुंचा और डॉक्टर को बताया कि लड्डू गोपाल को नहलाते समय वह उसके हाथ से छूट गए जिससे उन्हें चोट लग गई। उसने अपील की कि डॉक्टर उनका फौरन इलाज करें।

खुटार के सरकारी अस्पताल के चिकित्सक अंकित वर्मा ने बताया कि रिंकू मंगलवार शाम को 108 सेवा की एंबुलेंस से लड्डू गोपाल को लेकर खुटार के सरकारी अस्पताल पहुंचा था। इस दौरान फूट-फूट कर रो रहे

डॉक्टरों ने इलाज के बाद किया डिस्चार्ज

रिंकू ने बताया कि वह शाम को लड्डू गोपाल को स्नान करा रहा था तभी वह उसके हाथ से छूटकर गिर गए जिससे उन्हें चोट लग गई। उन्होंने बताया कि रिंकू के भक्ति भाव को देखते हुए उसकी संतुष्टि के लिए चिकित्सकों ने लड्डू गोपाल की मूर्ति का 'चेकअप' किया और दवा लगाई। मगर रिंकू लड्डू गोपाल को अस्पताल में भर्ती करने की जिद करता रहा।

हालांकि बाद में डॉक्टरों ने उसे समझाया कि लड्डू गोपाल अब बिल्कुल ठीक हैं। करीब दो घंटे बाद लड्डू गोपाल को अस्पताल से 'छुट्टी' दे दी गई।

अस्पताल के मंजर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें रिंकू रोते हुए लड्डू गोपाल की मूर्ति को चूम रहा है और सीने से लगा रहा है। क्षेत्र में इस घटना की खासी चर्चा है।

आगरा जमीन कांड: बिना जांच बना दिया वारिसान

यूनिक समय, आगरा। जगदीशपुरा जमीन कांड मामले में टहल सिंह के फर्जी मृत्य प्रमाणपत्र के आधार पर वारिसान प्रमाणपत्र बना दिया गया। अब वारिस उमा देवी का दावा गलत साबित हो रहा है। लेखपाल और काननूगो ने मिलकर इन्हें वारिसान बनाया था।

उत्तर प्रदेश के आगरा में जगदीशपुरा जमीन कांड में टहल सिंह के सामने आने के बाद नए-नए मोड़ आ रहे हैं। टहल सिंह के जिस फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र के आधार पर सदर तहसील से वारिसान बना। उस पर हस्ताक्षर करने वाले लेखपाल, कानूनगो परेशान हैं। तहसीलदार से भी जवाब-तलब हो सकता है।

टहल सिंह की वारिस बता उमा देवी ने बैनारा फैक्टरी के पास 10

हजार वर्ग गज भूमि का दाखिल खारिज कराया था। हालांकि इस दाखिल को आपत्तियां व उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश पर खारिज कर दिया गया। ऐसे में एक तरफ उमा देवी पर गलत दावा प्रस्तुत करने का आरोप है।

दूसरी तरफ उमा देवी का वारिसान प्रमाणपत्र पर सदर तहसील के लेखपाल, कानूनगो व तहसीलदार के हस्ताक्षर हैं। लेखपाल और काननूगो ने बिना जांच के प्रमाणपत्र जारी किया। गवाहों के आधार पर बने इस प्रमाणपत्र का सत्यापन नहीं कराया। मृत्यु प्रमाणपत्र फर्जी निकला। मृत्य प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए टहल सिंह का

असली मालिक मरा नहीं... जिंदा है, अब लेखपाल और कानूनगो परेशान

फर्जी आधार नंबर व श्मसान की रसीदें लगाई गईं। एसआईटी जांच में इस फर्जीवाड़े की परत खुल सकती है।

सदर तहसील में राजस्वकर्मियों की लापरवाही सामने आने के बाद अफसर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। तहसीलदार अविचल प्रताप सिंह का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। ऐसे में कुछ भी कहना उचित नहीं। पिछले दिनों टहल सिंह ने तहसीलदार और एसआईटी के सामने अपने बयान दर्ज कराए थे।

अखिलेश यादव ने सपा के शीर्ष नेताओं को लखनऊ बुलाया

यूनिक समय, लखनऊ । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के शीर्ष नेताओं को लखनऊ बुलाया है। बैठक में पार्टी की प्रचार को लेकर रूपरेखा तैयार की जाएगी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के शीर्ष नेताओं को

बदला जा सकता है मेरठ सीट का प्रत्याशी

लखनऊ बुलाया है। अखिलेश वरिष्ठ नेताओं संग लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा करेंगे और प्रचार की रूपरेखा तय करेंगे।

सपा मेरठ लोकसभा सीट पर प्रत्याशी भी बदल सकती है। इस सीट पर दूसरे चरण में चुनाव होना है। सपा ने मेरठ से भानु प्रताप सिंह को टिकट दिया है। पहले चरण में यूपी में आठ सीटों पर लोकसभा चुनाव होना है। इनमें सहारनपुर, कैराना, मुरादाबाद, रामपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना और पीलीभीत शामिल है।

BOOK YOUR CLASSIFIED ADS IN JUST 3 Easy Steps
CALL +91 9837115157
E-MAIL Send Advertisement Details to: infomunicom@gmail.com
PAY Online through- PAYTM

ईडी की कस्टडी में बिगड़ी अरविंद केजरीवाल की तबीयत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में कथित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तबीयत बिगड़ गई है। बताया जा रहा है कि उनका शुगर लेवल 46 तक गिर गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आप सूत्रों के हवाले से कहा कि ईडी की कस्टडी में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शुगर लेवल में उतार–चढ़ाव का अनुभव हो रहा है। आप नेताओं ने दावा किया कि केजरीवाल का स्वास्थ्य बिगड़ गया है। शुगर लेवल 46 मिलीग्राम तक गिर गया है। डॉक्टरों के अनुसार, इतनी गिरावट बहुत खतरनाक है।

इससे पहले केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने एक डिजिटल ब्रीफिंग में कहा कि वह उनसे ईडी की हिरासत में मिली थीं और उनके शुगर लेवल में उतार–चढ़ाव हो रहा था। उन्होंने लोगों से उनके स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करने की अपील की।

बता दें कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े

शुगर लेवल 46 तक गिरा

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया था। वह 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में हैं। मुख्यमंत्री ने अपनी गिरफ्तारी को अदालत में चुनौती दी है। यह मामला 2021–22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति बनाने और लागू करने में कथित भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग से संबंधित है। इस नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। इस मामले में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह समेत कई लोग गिरफ्तार हो चुके हैं।

नेपाल के रास्ते भारत में अवैध घुसपैठ की कोशिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की सीमाओं पर लगातार घुसपैठ की खबरें सामने आती रहती हैं। इस बीच अब नेपाल से लगी सीमा के पास भी अवैध घुसपैठ की खबर सामने आई है। पुलिस ने बताया है कि उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में नेपाल से लगती सीमा पर दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों नेपाल के रास्ते भारत में अवैध घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और सिद्धार्थनगर पुलिस टीम ने दोनों चीनी नागरिकों को पकड़ लिया।

पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, एसएसबी और सिद्धार्थनगर पुलिस टीम ने 26 मार्च को एक चीनी पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है। चीनी नागरिकों को उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब दोनों ककरहवा सीमा से नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे।

सुरक्षाबलों ने दो चीनी नागरिकों को पकड़ा

गिरफ्तार करने के बाद पुलिस टीम ने चीनी नागरिकों की तलाशी भी ली। इस तलाशी में दोनों के पास से दो चीनी पासपोर्ट, नेपाल से एक पर्यटक वीजा, 2 मोबाइल फोन, 2 नेपाली सिम कार्ड और उनके पास से 2 चीनी सिम कार्ड बरामद हुए हैं। सिद्धार्थनगर एएसपी सिद्धार्थ सिंह ने बताया है कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

भारत, नेपाल के साथ कुल 1751 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा साझा करता है। ये सीमा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम यानी की कुल 5 राज्यों से लगती है। इस सीम पर सुरक्षा की कमान सशस्त्र सीमा बल के हाथों में है। एसएसबी ने भारत–नेपाल सीमा पर 455 सीमा चौकियां स्थापित की हैं।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी करना पड़ा भारी

विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजनयिक को किया तलब

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिका की टिप्पणी पर भारत ने नाराजगी जताई है। दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अमेरिका के कार्यवाहक मिशन उपप्रमुख ग्लोरिया बर्बेना को तलब किया। जर्मनी के बाद अमेरिका ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में टिप्पणी की थी।

अमेरिका की तरफ से कहा गया था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी पर उनकी कड़ी नजर है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा था कि वो भारत के अहम विपक्षी दल के नेता की गिरफ्तारी और मामले में एक्शन पर निष्पक्ष जांच की उम्मीद जता रहे हैं।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया, "हम निष्पक्ष, समयबद्ध और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया के लिए भारत की सरकार को प्रोत्साहित करते हैं। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर हमारी करीबी नजर है।

हम मुख्यमंत्री केजरीवाल के लिए पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया की उम्मीद करते हैं।"

अमेरिका से पहले जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी की थी। जर्मन अधिकारी ने कहा था, ''हमारा मानना है और उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता से जुड़े मानक और मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत भी इस मामले में लागू होंगे।'' इसके बाद भारत इसका करारा जवाब देते हुए ने जर्मनी के दूतावास के डिप्टी चीफ को तलब किया था। भारत ने कहा था कि यह हमारा आंतरिक मामला है, इसमें हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं।

उद्धव ठाकरे ने प्रत्याशियों का किया ऐलान

बगावत पर उतरे संजय निरुपम, कांग्रेस को दिया अल्टीमेटम

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग को लेकर घमासान मचा हुआ है। शिवसेना यूबीटी ने आज अपने 17 उम्मीदवारों का ऐलान किया है। शिवसेना (यूबीटी) ने मुंबई में चार लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। शिवसेना (यूबीटी) के इस फैसले पर कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने घोर आपत्ति दर्ज की है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आज सुबह शिवसेना यूबीटी ने मुंबई की चार सीटों पर उम्मीदवार घोषित किया और अगले एक–दो दिन में पांचवी सीट पर उम्मीदवार घोषित करेंगे। यानी कांग्रेस को मुंबई में एक सीट की भीख दी जाएगी।

उन्होंने कहा, "मैं इसके लिए उद्धव गुट और कांग्रेस के वो नेता जो सीट शेयरिंग बातचीत में शामिल थे, उनका मैं निषेध करता हूं। उद्धव गुट का जो उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर है उस पर खिचड़ी चोरी का आरोप है। ऐसे उम्मीदवार का मैं चुनाव प्रचार नहीं करूंगा। हमारा जो पार्टी नेतृत्व है, उसे मुंबई या देश की कोई चिंता नहीं रह गई है।

मुझसे भी पिछले 15 दिनों में एक बार भी बात नहीं हुई। पार्टी के स्थापित नेता हैं, उनके ऊपर जो अन्याय हो रहा है, उनकी चिंता नहीं रह गई है। हमने आज उस शिवसेना उद्धव गुट के सामने सरेंडर कर दिया, जिसका खुद ज्यादा जनाधार नहीं रह गया, उसके सामने कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। मैं एक हफ्ते से ज्यादा इंतजार नहीं करूंगा। अब मेरे लिए सारे विकल्प खुले हैं, लेकिन मैं अब भी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से हफ्ते भर का इंतजार करूंगा।

नितिन गडकरी के नामांकन में उमड़ी भारी भीड़

यूनिक समय, नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को नागपुर से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। गडकरी के नामांकन के लिए हजारों की संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता नागपुर के संविधान चौक पर इकट्ठा हुए। संविधान चौक पहुंचने से पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने घर में अपनी आराध्य देवी की पूजा अर्चना की, और बाद में संविधान चौक पर पहुंचकर डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा का माल्यार्पण किया।

नामांकन जुलूस के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के परिवार के सदस्य मौजूद थे। उनकी पुत्रवधू ने इस मौके पर कहा कि इस बार फिर से 'दिल से कहो नितिन गडकरी' की गूंज पूरे नागपुर में सुनाई दे रही है। परिवार के सदस्यों का मानना है कि इस बार नितिन गडकरी 5 लाख से भी ज्यादा की मार्जिन से चुनकर आएंगे। नितिन गडकरी की दोनों पुत्रवधू ने जोर देते हुए कहा कि इन्होंने पिछले 10 सालों में जितना काम किया है उससे लग रहा है कि नागपुर की जनता पूरी तरीके से नितिन गडकरी के साथ है।

नागपुर की सड़कों पर बीजेपी का शक्ति प्रदर्शन

नितिन गडकरी की पुत्री एवं उनके रिश्तेदारों ने कहा कि दूर–दूर तक गडकरी के मुकाबले में कोई नहीं दिख रहा।

नितिन गडकरी के नामांकन के दौरान मुस्लिम समुदाय के भी बहुत लोग मौजूद थे। मुस्लिम समाज के लोगों ने गडकरी की तारीफ करते हुए कहा कि वह जाति–धर्म की परवाह नहीं करते हैं और विकास की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि नितिन गडकरी की जीत नागपुर से पक्की है और वह हैट्रिक बनाएंगे।

नामांकन के दौरान उमड़े जनसैलाब को देखते हुए बीजेपी के कार्यकर्ता जोश में थे और उनका कहना था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में नितिन गडकरी कम से कम 5 लाख वोटों से जीत दर्ज करेंगे।

कर्नाटक में लोकायुक्त अधिकारियों की बड़ी कार्रवाई

एक साथ 60 जगहों पर डाली रेड

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकायुक्त अधिकारी कर्नाटक के 13 जिलों में 60 जगहों पर छापेमारी कर रहे हैं। बेंगलुरु में पांच जगहों पर छापेमारी चल रही है।

कर्नाटक में एंटी करप्शन एजेंसी लोकायुक्त ने बड़ी कार्रवाई की है। 100 से ज्यादा लोकायुक्त अधिकारी राज्य के 13 जिलों में 60 जगहों पर छापेमारी कर रहे हैं। बेंगलुरु में पांच जगहों पर छापेमारी जारी है। बेंगलुरु में बीबीएमपी के चीफ इंजीनियर रंगनाथ के घर पर भी छापा मारा गया है।

छापेमारी की कार्रवाई में अभी तक 6 लाख रुपये की नकदी, 3 किलो सोना, 25 लाख रुपये के हीरे, 5 लाख रुपये की प्राचीन वस्तुएं बरामद की गई हैं। इसके साथ संपत्ति के दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। गलुरु, बिदर, रामनगर, उत्तर कन्नड, उडुपी, कोडागु, मैसूर और विजयपुरा जिलों में छापेमारी जारी है। छापेमारी की कार्रवाई में लोकायुक्त के करीब 130 अधिकारी शामिल हैं, जिनमें 13 पुलिस अधीक्षक (एसपी), 12 पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) और 25 पुलिस निरीक्षक हैं। इससे पहले जनवरी में कर्नाटक में लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार के 10 मामलों में 40 स्थानों पर सरकारी अधिकारियों के आवासों पर छापेमारी की थी। छापेमारी तुमकुरु, मांड्या, चिक्कमगलुरु, मैसूरु, कोप्पल, विजयनगर, बल्लारी, हासन, चामराजनगर और मंगलुरु में एक साथ की गई थी।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो. 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053